घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 52- सोमवार 22- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्र. 13/Surguja DN/ 2023-2025

संपादकीय

बचपन को किधर ले जा रहा एआई?

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से लैस खिलौने जीत रहे बच्चों का दिल

इस क्रिसमस पर बच्चों को एआई-संचालित खिलौने मिलेंगे जो बातचीत करेंगे और सिखाएंगे। चीन,जो वैश्विक खिलौना बाजार का बड़ा हिस्सा है, एआई को बढ़ावा दे रहा है। शहरों के स्कूल चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं, जिससे बच्चों के लिए नए अवसर खुल रहे हैं, लेकिन इसके जोखिम भी हैं।

सांस्कृतिक तौर पर भारतीयता की वापसी के दौर के बावजूद क्रिसमस की धूम कम नहीं होने जा रही। इस बार क्रिसमस पर जब बच्चे हैरतभरी उत्सुकता से गिफ्ट पैक खोलेंगे तो उन्हें ऐसे उपहार मिल सकते हैं,जो उनसे बातचीत करें,उनकी पढ़ाई में काम आएं या फिर सीखने के मोर्चे पर नए सिरे से जुटने की सीख दें। इस बार आखिर ऐसे सरप्राइज की उम्मीद क्यों है? इसका जवाब है, चीन के खिलौना निर्माताओं की सोच।

चीनी खिलौना उद्योग ने साल 2025 को कृत्रिम बुद्धिमता यानी एआई वर्ष घोषित कर रखा है। इसके तहत वहां ऐसे रोबॉट और टेडी बियर बन रहे हैं, जो बच्चों को सिखा सकते हैं,उनके साथ खेल सकते हैं और उन्हें कहानियां सुना सकते हैं। ध्यान रहे,वैश्विक खिलौना बाजार में चीन की भारी हिस्सेदारी है। दुनिया के 70-80 फीसदी खिलौने चीन में ही बनते हैं और उनका दुनियाभर को निर्यात होता है। भारत के खिलौना बाजार में भी चीन की हिस्सेदारी 65 से 75 प्रतिशत तक है।

देश के ग्रामीण इलाकों में एआई का शिक्षा में सीधा उपयोग भले ही कम हो, लेकिन शहरों के तमाम स्कूलों में बच्चों को चैट जीपीटी से बनाई सामग्री से पढ़ाया जा रहा है। कई जगह चैटबॉट-ट्यूटर्स के साथ बच्चे सीख रहे हैं। एआई जिस तरह बढ़ रहा है,उसे देखते हुए आश्चर्य नहीं कि आने वाले दिनों में बच्चे खुद के बारे में बने गाने सुनें और ऐसी कहानियां पढ़ें जिनमें वे स्टार हों। एआई ने बच्चों के लिए ऐसी दुनिया के दरवाजे खोल दिए हैं, जिसमें उनके लिए अवसरों की भरमार है। अभी तक बेहतर और ज्यादा अवसर संपन्न परिवारों के बच्चों को मिलते रहे हैं, लेकिन एआई आम बचपन को भी राजसी सुविधाएं उपलब्ध रहा रहा है। तकनीकी कंपनियां बता रही हैं कि जिन स्कूलों में अध्यापकों और पढ़ाई के लिए जरूरी उपकरणों की कमी है, वहां उनकी तकनीक मददगार हो सकती है। इस दिशा में हुए प्रयोगों ने साबित किया है कि एआई से पढ़ाई-लिखाई और भाषा सीखने की प्रक्रिया को बनाया जा सकता है। खिलौना कंपनियां ऐसे एआई केंद्रित पाठ तैयार कर चुकी हैं, जो छोटे बच्चों के काफी काम आ सकते हैं। इनमें पाठों को कार्टून स्ट्रिप या गाने के रूप में भी पेश करने की सुविधा है।

हालांकि इन तकनीकों पर बच्चों को छोड़ना जोखिम भी हो सकता है। मसलन, एआई ट्यूटर गलत जवाब दे सकते हैं। खिलौने पटरी से उतर सकते हैं, कामुक बातें कर सकते हैं,जिनसे बच्चों पर बुरा असर पड़ सकता है। तकनीक बच्चों के होमवर्क में चीटिंग को बढ़ावा दे सकती है या फिर डीपफेक तकनीक के जरिए साथियों को परेशान करने की राह सुझा सकती है। चैटबॉट किशोरों को फुसलाकर उन्हें खुद को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसा सकता है। एआई का खतरा यह भी है कि वह अपने मालिक की पसंद समझ कर सिर्फ वैसी ही चीजें उसे दिखा-सुझा सकती है। मसलन, फुटबॉल पसंद करने वाले बच्चे को उसका टेडी सिर्फ फुटबॉल की कहानियां ही बताएगा। इससे बच्चा एकांगी हो सकता है। चैटबॉट में रिश्तों को लेकर भी जोखिम है। इन पर सक्रिय उन बच्चों के लिए मनोभावों को समझना कठिन हो सकता है, जिनके दोस्त न कभी आलोचना करते हैं, न ही अपनी भावनाएं जाहिर करते हैं लिहाजा मनोवैज्ञानिकों का सुझाव है कि बच्चों को वैसी ही तकनीक सौंपी जाए, जो उन्हें फिर से शब्द रचना सिखाए। चैटबॉट के इस्तेमाल के लिए उम्र सीमा भी तय करने का सुझाव आ रहा है। स्कूली पढ़ाई पर भी जोर देने की बात कही जा रही है। यही नहीं,एआई का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों का सामाजिककरण खत्म कर सकता है। चूंकि बचपन का ज्यादातर हिस्सा स्कूलों में बीतता है, लिहाजा माना जा रहा है कि बच्चे के सामाजिक विकास में स्कूल ही बड़ा भागीदार हो सकता है। इसलिए बच्चों के सीखने की प्रक्रिया में स्कूलों की भूमिका बढ़ाने की भी बात हो रही है।

कागज के खाली पन्नों से विश्व मंच तक: गणितज्ञ रामानुजन की अद्भुत कहानी

गणित को अनुभूति बनाने वाला अमर साधक श्रीनिवास रामानुजन...

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

भारत में प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस भारतीय गणित की गौरवशाली परंपरा और विश्वविख्यात गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से उनके जन्मदिवस पर मनाया जाता है। यह केवल एक स्मृति-दिवस नहीं बल्कि गणित जैसे बौद्धिक अनुशासन के प्रति समाज में सम्मान, जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टि को सुदृढ़ करने का राष्ट्रीय प्रयास है। राष्ट्रीय गणित दिवस की औपचारिक घोषणा वर्ष 2012 में रामानुजन की 125वीं जयंती के अवसर पर की गई थी। चेन्नई में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने रामानुजन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि ऐसे विलक्षण प्रतिभावान और गूढ़ज्ञान से युक्त व्यक्तित्वों का जन्म समाज में बहुत कम होता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि रामानुजन की प्रतिभा न केवल गणित के क्षेत्र में बल्कि मानव बौद्धिक क्षमता की सीमाओं को समझने में भी एक प्रेरक उदाहरण है। उसी अवसर पर यह निर्णय लिया गया कि रामानुजन के जन्मदिवस को प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय गणित दिवस' के रूप में मनाया जाएगा ताकि देश की युवा पीढ़ी गणित से भय के बजाय आकर्षण और नवाचार का संबंध विकसित कर सके। इस दिवस का उद्देश्य गणितीय सोच को बढ़ावा देना,अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और यह संदेश देना है कि गणित केवल अंकों का खेल नहीं बल्कि विज्ञान, तकनीक और राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला है।

मद्रास से करीब चार सौ किलोमीटर दूर तमिलनाडु के ईरोड शहर में 22 दिसम्बर 1887 को जन्मे श्रीनिवास अयंगर रामानुजन का बचपन कठिनाइयों और निर्धनता के दौर में बीता था। तीन वर्ष की आयु तक वह बोलना भी नहीं सीख पाए थे और तब परिवार के लोगों को चिंता होने लगी थी कि कहीं वह गूंगे न हों लेकिन कौन जानता था कि यही बालक गणित के क्षेत्र में इतना महान् कार्य करेगा कि सदियों तक दुनिया उन्हें आदर-सम्मान के साथ याद रखेगी। उन्हें गणित में इतनी दिलचस्पी थी कि गणित में उन्हें प्रायः सौ फीसदी

अंक मिलते थे लेकिन बाकी विषयों में बामुश्किल ही परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते थे क्योंकि गणित के अलावा उनका मन दूसरे विषयों में नहीं लगता था। उन्होंने कभी गणित में किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था।

गणित में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीनिवास रामानुजन को के. रंगनाथ राव पुरस्कार भी दिया गया था। उनका गणित प्रेम इतना बढ़ गया था कि उन्होंने दूसरे विषयों पर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। दूसरे विषयों की कक्षाओं में भी वे गणित के ही प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित के अलावा दूसरे सभी विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए और इस कारण उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति बंद हो गई। परिवार की आर्थिक हालत पहले ही ठीक नहीं थी,इसलिए परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्होंने गणितज्ञ रामास्वामी अय्यर के सहयोग से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी करनी शुरू की। नौकरी के दौरान भी वे समय मिलते ही खाली पन्नों पर गणित के प्रश्नों को हल करने लग जाया करते थे। एक दिन एक ब्रिटिश की नजर उनके द्वारा हल किए गए गणित के प्रश्नों पर पड़ी तो वह उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुआ। उसी अंग्रेज के माध्यम से रामानुजन का सम्पर्क जाने-माने ब्रिटिश गणितज्ञ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी एच हार्डी से हुआ। हार्डी ने उनकी विलक्षण प्रतिभा को भांपकर उन्हें अपनी प्रतिभा को साकार करने के लिए लंदन बुला लिया और उनके लिए कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में व्यवस्था की,जिसके बाद उनकी ख्याति दुनियाभर में फैल गई। जी. एस. हार्डी ने रामानुजन को यूलर,गोस,आर्किमिडीज,आईजैक न्यूटन जैसे दिग्गजों के समकक्ष श्रेणी में रखा था। 1917 में उन्हें 'लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी' का सदस्य चुना गया और अगले ही वर्ष इंग्लैंड की प्रतिष्ठित संस्था 'रॉयल सोसायटी' ने उन्हें अपना फैलो बनाकर सम्मान दिया। रामानुजन ने करीब पांच साल कैम्ब्रिज में बिताए और उस दौरान गणित से संबंधित कई शोधपत्र लिखे। इंग्लैंड में उन पांच वर्षों के दौरान उन्होंने मुख्यतः संख्या सिद्धांत के क्षेत्र में कार्य किया। प्रोफेसर जी एच हार्डी के साथ मिलकर रामानुजन ने कई शोधपत्र प्रकाशित किए और उन्हीं में से एक विशेष शोध के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने रामानुजन को बी.ए. की उपाधि भी प्रदान दी। महान् गणितज्ञ रामानुजन की गणना आधुनिक भारत के उन व्यक्तित्वों में की जाती है, जिन्होंने विश्व में नए ज्ञान को पाने और खोजने की पहल की।

भारतीय गणित की महान् परम्परा के वाहक श्रीनिवास रामानुजन को 'गणितज्ञों का गणितज्ञ' और संख्या सिद्धांत पर अद्भुत कार्य के लिए 'संख्याओं का जादूगर' भी कहा जाता है, जिन्होंने खुद से गणित सीखा और जीवनभर में गणित के 3884 प्रमेयों (थ्योरम्स) का संकलन किया, जिनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किए जा चुके हैं। रामानुजन ने गणितीय विश्लेषण, अनंत श्रृंखला, संख्या सिद्धांत तथा निरंतर भिन्न अंशों के लिए आश्चर्यजनक योगदान दिया और अनेक समीकरण व सूत्र भी पेश किए। वे ऐसे विश्वविख्यात गणितज्ञ थे,जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों और विषय गणित की शाखाओं में अविस्मरणीय योगदान दिया और जिनके प्रयासों तथा योगदान ने गणित को एक नया अर्थ दिया। उनके द्वारा की गई खोज 'रामानुजन थीटा' तथा 'रामानुजन प्राइम' ने इस विषय पर आगे के शोध और विकास के लिए दुनियाभर के शोधकर्ताओं को प्रेरित किया। बहरहाल,राष्ट्रीय गणित दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि सीमित संसाधनों और औपचारिक प्रशिक्षण के अभाव में भी भारतीय प्रतिभा विश्व को नई दिशा दे सकती है, जैसा कि रामानुजन ने अपने जीवन और कार्य से सिद्ध किया।

किसानों के कल्याण के हिमायती थे चौधरी चरण सिंह

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

किसान राष्ट्र की जीवनधारा और अन्नदाता के रूप में सम्मानित भारत की समृद्धि की नींव हैं। उनका अथक परिश्रम देश का पेट भरता हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कायम रखता है और हर घर की ताकत सुनिश्चित करता है। राष्ट्रीय किसान दिवस 23 दिसंबर को मनाया जाता है जो किसानों के अमूल्य योगदान का उत्सव मनाता है। यह दिन भारत के पांचवें प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती है जो ग्रामीण मुद्दों की गहरी समझ और किसानों के कल्याण के लिए अटूट वकालत के लिए प्रसिद्ध हैं। यह हमारे किसानों के अटूट समर्पण का सम्मान करने और देश की प्रगति को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानने का क्षण है।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के छोटे से गांव नूरपुर के एक किसान चौधरी मीरसिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण

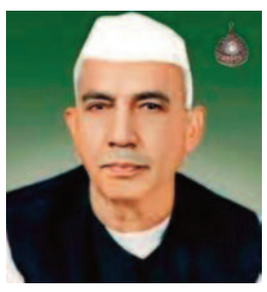

कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरीचरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों,गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान,मजदूर,गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत की 60 प्रतिशत जनता गांवों में रहती है। हमारी सम्पन्नता हमारे कृषि और किसानों पर निर्भर करती है। भारतीय किसान का सर्वत्र सम्मान होता है। ये दिन रात कड़ी मेहनत कर सम्पूर्ण भारतवासियों के लिए अन्न एवं सब्जियां उत्पन्न करता हैं। किसानों को कठिन परिश्रम के पश्चात भी बहुत कम लाभ होता है। किसानों को आज भी कई तरह के मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था।

अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। चौधरी चरण सिंह जैसे किसानो के बड़े नेता द्धारा किसानो के हित में किये गये कार्यो को देखते हुये वर्षो पूर्व ही उनको भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिये था। मगर सरकारों की अनदेखी के चलते उनको वर्षों तक उचित सम्मान नहीं मिल पाया। नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह जैसे सच्चे बड़े व सच्चें किसान नेता को भारत रत्न प्रदान कर सच्ची श्रृद्धांजलि अर्पित की है। इससे देश के करोड़ों किसानों के साथ ही सरकार का भी सम्मान बड़ा है।

जग सिरमौर बनाएं भारत

राष्ट्र प्रथम के ध्येय से ही संभव

प्रो. संजीव कुमार शर्मा

जब लोकतंत्र के नाम पर लोक कल्याण का विरोध ही राजनीति हो जाए तो वैसा ही दृश्य उपस्थित होता है जैसा कि इस सप्ताह भारत की संसद में और बाहर देखने को मिला। ग्रामीण भारत की प्रगति तथा आर्थिकी को त्वरा देने हेतु प्रस्तुत एक महत्वाकांक्षी विधेयक 'विकसित भारत- गारंटी फार रोजगार एंड आजीविका मिशन' के गुण-दोष की विवेचना की जगह विपक्ष इसके संक्षिप्त नाम और पूर्वकालीन नाम की तुलना को ही अपने कर्तव्य की पूर्ति के रूप में प्रदर्शित करता रहा। विडंबना यह कि ऐसा उन महात्मा गांधी के नाम पर हुआ,जिनका जीवन लक्ष्य ही समाज के सबसे अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के आंसू पोंछना था। भाव और भावना का यह बारीक अंतर ही इस संपूर्ण तुलना को 'गांधी विरुद्ध गांधी' बना देता है और याद आते हैं बापू के वे कष्ट भरे शब्द,'हर कोई मेरी तस्वीरों और मूर्तियों पर माला चढ़ाने को उत्सुक है। कोई भी वास्तव में मेरा अनुसरण नहीं करना चाहता।'

बेलगाम बांग्लादेश की अशांति भारत के लिये खतरा

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली-92

बांग्लादेश में बीते कुछ समय से जो घटनाक्रम सामने आ रहे हैं, वे किसी एक देश की आंतरिक समस्या भर नहीं रह गए हैं,बल्कि दक्षिण एशिया की समूची भू-राजनीतिक स्थिरता के लिए एक गंभीर चेतावनी बनते जा रहे हैं। युवा छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद जिस तरह ढाका सहित कई शहरों में हिंसा भड़की, उसने यह उजागर कर दिया कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार न तो कानून का शासन स्थापित कर पा रही है और न ही समाज को उन्माद व कट्टरता से बचाने में सक्षम दिखाई देती है। से कों पर उग्र भीड़,अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हमले, हिन्दू धर्म-स्थलों को ध्वस्त करना,मीडिया संस्थानों के दफ्तरों में आगजनी,पत्रकारों पर हमले और असहमति की आवाजों को दबाने की कोशिशें यह संकेत देती हैं कि बांग्लादेश तेजी से अराजकता के दलदल में धंसता जा रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र के भविष्य के लिए जितनी भयावह है,उतनी ही खतरनाक क्षेत्रीय शांति के लिए भी है।इस पूरे परिदृश्य का सबसे चिंताजनक एवं त्रासद पहलू'भारत विरोधी नैरेटिव' का सुनियोजित एवं षे यंत्रपूर्ण निर्माण है। शरीफ उस्मान हादी की हत्या के लिए बिना किसी ठोस जांच के भारत पर आरोप मढ़ना और उसके बाद भारतीय मिशनों को

निशाना बनाने की कोशिशें यह बताती हैं कि हिंसा केवल स्वतःस्फूर्त जनाक्रोश नहीं,बल्कि एक सुविचारित राजनीतिक और वैचारिक साजिश का हिस्सा है। इतिहास गवाह है कि जब भी बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है, कुछ कट्टरपंथी ताकतें भारत विरोध को एक आसान औजार की तरह इस्तेमाल करती हैं। इससे न केवल भी को भड़काया जाता है, बल्कि आंतरिक विफलताओं से ध्यान हटाने का रास्ता भी मिल जाता है। अंतरिम सरकार की निष्क्रियता या मौन सहमति इस आशंका को और मजबूत करती है कि वह या तो इन ताकतों पर नियंत्रण खो चुकी है या फिर उनसे समझौता कर चुकी है। इसमें सबसे घातक है पाकिस्तान का साजिशपूर्ण तरीके से भारत विरोध को हवा देना।

भारत द्वारा अपने वीजा केंद्रों को अस्थायी रूप से बंद करना और बांग्लादेशी उच्चायुक्त को तलब करना इस पृष्ठभूमि में एक आवश्यक और संतुलित कूटनीतिक कदम कहा जा सकता है। किसी भी संप्रभु राष्ट्र की यह जिम्मेदारी होती है कि वह विदेशी राजनयिकों और मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। ढाका में भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिशें और वहां प्रशासन की ढुलमुल प्रतिक्रिया यह दर्शाती हैं कि अंतरिम सरकार इस बुनियादी दायित्व को निभाने में विफल रही है। कूटनीति केवल सौहार्द की भाषा नहीं होती, बल्कि यह स्पष्ट संदेश देने का माध्यम भी होती है कि भारत अपने हितों और नागरिकों की सुरक्षा के प्रश्न पर किसी तरह की उदासीनता स्वीकार नहीं कर सकता। इस अशांति का सबसे दर्दनाक और संवेदनशील पक्ष बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों,विशेषकर हिंदुओं की बिगे ती स्थिति है। कथित ईशनिंदा के आरोपों में एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या इस बात का प्रमाण है कि कट्टरपंथी तत्वों को अब प्रशासन का कोई भय नहीं रह गया है। जब न्याय भी के हाथों में चला जाए और सरकार अल्पसंख्यक अधिकारों पर केवल औपचारिक बयान जारी करती रहे,तो यह लोकतांत्रिक राज्य की आत्मा पर सीधा प्रहार होता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी भी इस संदर्भ में कई सवाल खड़ा करती है। मानवाधिकारों और अल्पसंख्यक संरक्षण की दुहाई देने वाले वैश्विक मंच तब मौन क्यों हो जाते हैं,जब यह उल्लंघन रणनीतिक या राजनीतिक समीकरणों के भीतर घटित होते हैं। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुत्र और सलाहकार साजीब वाजेद जॉय का यह कथन कि बांग्लादेश की आग से भारत अछूता नहीं रह सकता,केवल एक राजनीतिक बयान नहीं,बल्कि एक कड़वी सच्चाई है।

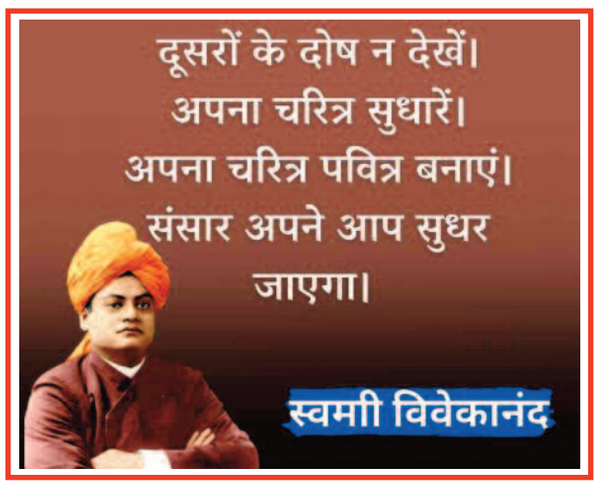

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

एक साथ उठीं तीन अर्थियां,रो पड़ा पूरा शहर और मोहल्ला

एनएच-130 पर भीषण सड़क हादसा...एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत...

शमरोज खान

सूरजपुर,21 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

शनिवार का दिन सूरजपुर के लिए ऐसा दर्द लेकर आया, जिसने पूरे शहर को गमगीन कर दिया। अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे-130 पर हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

इलाज के लिए निकले थे... मौत बनकर सामने आया सफर...

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरजपुर जिला मुख्यालय के मस्जिदपारा निवासी अजहर शेख उर्फ जुगनू (34), तौकीर (26),शेख अब्दुल्ला उर्फ पंकज (37), शबाना शेख और साबिया शेख शनिवार सुबह करीब 9 बजे इलाज के उद्देश्य से अल्टो कार से बिलासपुर रवाना हुए थे,सुबह लगभग 11:30 बजे जब उनका वाहन कटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार गांव के पास पहुंचा,तभी ओवरटेक करने के दौरान सामने से आ रहे डीजल टैंकर से कार की जोरदार भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भयानक,कार के उड़े परखच्चे...

हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया,मौके पर ही अजहर शेख उर्फ जुगनू की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कार में सवार अन्य सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए,सूचना मिलते ही कटघोरा थाना प्रभारी एवं तारा पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। कार में बुरी तरह फंसे घायलों को निकालने के लिए वाहन को काटना पड़ा।

शादी से पहले बुझ गया घर का चिराग...

कार चला रहे तौकीर,जो सूरजपुर में मुस्कान टेंट हाउस के नाम से व्यवसाय करते थे और जिनकी अगले महीने शादी तय थी,उन्हें गंभीर अवस्था में अपोलो अस्पताल बिलासपुर में भर्ती कराया गया,उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया, वहीं गंभीर रूप से घायल मां शबाना शेख को रायपुर रेफर किया गया था, लेकिन बिलासपुर से निकलते ही रास्ते में उनकी भी मौत हो गई।

दो जिंदगी अब भी संघर्ष में...

हादसे में गंभीर रूप से घायल शेख अब्दुल्ला और साबिया शेख का इलाज रायपुर के एक निजी अस्पताल में जारी है, चिकित्सकों के अनुसार दोनों की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

मृतक अजहर शेख उर्फ मृतक तौकीर मृतक शबाना

मस्जिदपारा में पसरा मातम, हर आंख नम : जैसे ही हादसे की खबर सूरजपुर पहुंची, मस्जिदपारा इलाके में कोहराम मच गया, एक ही परिवार में तीन-तीन मौतों से पूरा मोहल्ला और शहर शोक में डूब गया,मृतक अजहर शेख की दो छोटी बेटियां हैं, जिनकी उम्र मात्र चार और दो वर्ष बताई जा रही है। पिता का साया सिर से उठ जाने की पीड़ा ने हर किसी की आंखें नम कर दीं।

गमगीन माहौल में तीनों को सुपुर्द-ए-खाक: रविवार को सभी मृतकों को सूरजपुर के कब्रिस्तान में भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय एवं अन्य समुदाय के लोगों की उपस्थिति में नम आंखों से सुपुर्द-ए-खाक किया गया, एक साथ उठीं तीन मैयतों ने हर किसी के कलेजे को चीर दिया।

हाइवे पर लगा था जाम पुलिस जांच में जुटी...

हादसे के बाद नेशनल हाईवे-130 पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार और टैंकर को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया, प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण कार द्वारा ओवरटेक करना बताया जा रहा है, पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

एक हादसा,कई जिंदगियां उजड़ गईं...

यह हादसा सिर्फ तीन मौतों की खबर नहीं, बल्कि टूटे हुए सपनों, सूनी गोद और उजड़े परिवार की दर्दनाक दास्तान है जिसका मातम आज पूरा सूरजपुर मना रहा है।

लापता 11 वर्षीय बालिका 24 घंटे में मिली पुलिस ने सुरक्षित परिजनों को सौंपा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर के कलाकेन्द्र मैदान स्थित मिनाबाजार में 20 दिसंबर को 11 वर्षीय बालिका मीना के लापता होने की घटना सामने आई थी। बालिका की गुमशुदगी की सूचना मिलते ही सरगुजा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और महज 24 घंटे के भीतर उसे सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस ने उसे उसके परिजनों को सौंप दिया, जिससे परिवार में खुशी का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, संजय मार्केट विश्रामपुर निवासी नूर मोहम्मद, जो अंबिकापुर के तकिया रोड पर खिलौना बेचने का काम करते हैं, ने 20 दिसंबर को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 11 वर्षीय बेटी मीना, जो बाज़ार घूमने गई थी, अचानक लापता हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लिया और शहर के सभी थाना प्रभारियों को जल्द से जल्द बालिका की तलाश करने के निर्देश दिए। पुलिस की टीम ने रातभर शहर के विभिन्न इलाकों में तलाश की और पुलिस कंट्रोल रूम से लगातार रिपोर्टिंग की। अंततः, 21 दिसंबर की सुबह पुलिस को बालिका नगर निगम के पास सड़कों पर अकेली मिली। पूछताछ में बालिका ने बताया कि वह बाजार घूमने के दौरान अपने परिवार से बिछड़ गई थी। ठंड से बचने के लिए उसने रात भर चौपाटी के पास विभिन्न दुकानों में शरण ली। बच्ची ने किसी भी अप्रिय घटना का सामना नहीं होने की जानकारी दी। पुलिस ने बालिका को उसके परिजनों के हवाले कर दिया। इस सफलता पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुलिस टीम की सराहना की और बताया कि ऐसी घटनाओं में त्वरित कार्रवाई बेहद जरूरी होती है।

नेशनल हाईवे की मरम्मत में घोटाले का आरोप,रातों-रात उखड़ी सड़क

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

नेशनल हाईवे की मरम्मत को लेकर एक बड़ा घोटाला सामने आया है। शहर में करीब 6 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे सड़क मरम्मत कार्य में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। खास बात यह है कि ठेकेदार ने कड़ाके की ठंड में रात 12 बजे सड़क पर टायरिंग का काम शुरू किया, जिसके बाद सुबह होते ही पूरी सड़क उखड़ गई। जब नगर निगम के कर्मचारी सफाई के लिए पहुंचे, तो उनकी आंखें भी हैरान रह गईं, क्योंकि रात में की गई मरम्मत पूरी तरह से बेकार हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने घटिया डामर के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए रात के समय सड़क की मरम्मत के खिलाफ विरोध जताया था, लेकिन अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया और जल्दबाजी में कार्य पूरा कर दिया। अगली सुबह, सड़क के बड़े हिस्से का डामर उखड़कर पूरी तरह से नष्ट हो चुका था। यह मामला एक बड़े भ्रष्टाचार को उजागर करता है, जहां मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है और अधिकारियों द्वारा जल्दी भुगतान निकालने की कोशिश की जा रही है। अंबिकापुर शहर के लोग इस मामले को लेकर बेहद गुस्से में हैं। उनका कहना है कि पिछले दो सालों से सड़कें जर्जर पड़ी हैं, लेकिन मरम्मत का कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बरसात के समय में सांसद, विधायक और महापौर ने सड़क सुधार का भरोसा दिलाया था, लेकिन बरसात के बाद भी स्थिति वही की वही है। यह लोगों के लिए एक बड़ा धोखा साबित हुआ है,और अब वे सड़कों पर भी गुस्सा जाहिर करने के लिए तैयार हैं। इस मरम्मत कार्य में 6 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जबकि जानकारों के अनुसार मरम्मत का काम केवल दिखावटी टायरिंग करने के लिए किया जा रहा है, ताकि तस्वीरें खींचकर अधिकारी भुगतान निकाल सकें। यह सडक़ अहम रास्तों जैसे सदर रोड, महामाया चौक और देवीगंज रोड को जोड़ती है। ऐसे में, भ्रष्टाचार की यह पोल खुले तौर पर सडक़ों की स्थिति को और खराब कर रही है। इस मामले पर अधिकारियों का कोई जवाब नहीं आया।

जब वर्जन के लिए नेशनल हाईवे के कार्यपालक अभियंता आरडी ताम्बरे और एसडीओ निखिल लकड़ा से संपर्क किया गया, तो दोनों ने फोन रिसीव नहीं किया, जिससे इस भ्रष्टाचार के आरोपों पर और भी सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर इस घोटाले की जांच नहीं की जाती, तो आने वाले दिनों में उनका गुस्सा सडक़ पर उतर सकता है।

भाजपा सरकार की जनहितकारी नीतियों से लखनपुर को मिल रही विकास की नई गति...नवीन दुकानों के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन संपन्न

-संवाददाता-
लखनपुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों एवं सबका साथ-सबका विकास के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए नगर पंचायत लखनपुर में आज 21 दिसंबर 2025, रविवार को नगरीय विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया। छत्तीसगढ़ शासन के माननीय कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, माननीय सांसद चिंतामणि महराज एवं नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू और मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी के कर-कमलों से करोड़ों की लागत से बनने वाले नवीन दुकान एवं गोदाम निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 08 में पुराना जनपद पंचायत कार्यालय के सामने नवीन दुकान निर्माण कार्य (लागत ?44.17 लाख), वार्ड क्रमांक 09 में बस स्टैंड के समीप 27 नग दुकानों के ऊपर दुकान एवं गोदाम निर्माण कार्य (लागत ?27.62 लाख) तथा इसी वार्ड में 10 नग दुकानों के ऊपर दुकान निर्माण कार्य (लागत ?18.26 लाख) का भूमिपूजन किया गया। ये सभी परियोजनाएं नगर के व्यापारिक ढांचे को सशक्त करने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं एवं व्यापारियों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। माननीय अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार विकास को प्राथमिकता देते हुए शहरी अधोसंरचना को सुदृढ़ कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश के छोटे नगरों तक विकास की रोशनी पहुंच रही है। लखनपुर नगर पंचायत में निरंतर हो रहे विकास कार्य इसी प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी,राजेन्द्र जायसवाल, सुभाष अग्रवाल,सचिन बंसल,महेश्वर राजवाड़े, मुख्य नगरपालिका अधिकारी विधासागर चौधरी, उप अभियंता प्रदीप कुमार एक्का,नगर पंचायत के समस्त पार्षदगण,सफाई कामगार,पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। भूमिपूजन समारोह के माध्यम से यह संदेश स्पष्ट हुआ कि भाजपा सरकार विकास, रोजगार और सुशासन के लिए संकल्पित है और आने वाले समय में लखनपुर नगर पंचायत को एक सुव्यवस्थित, आत्मनिर्भर एवं विकसित नगर के रूप में स्थापित किया जाएगा।

जगदम्बा आभूषण में चोरी की कोशिश मामले में आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर के सदर रोड स्थित जगदम्बा आभूषण 13 दिसंबर की रात को अज्ञात नकाबपोश द्वारा चोरी की कोशिश की गई थी। मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार 13 दिसंबर की रात 11 बजे जगदम्बा आभूषण दुकान में सीसीटीवी कैमरा व बिजली कनेक्शन का तार काटकर दुकान से सोना-चांदी चोरी करने का प्रयास किया गया था। काले रंग का बुर्का पहने चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था। दुकान के मालिक राज सोनी

कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने धारा (4) 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने चोर को आकाश अग्रवाल के रूप में की। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी आकाश अग्रवाल उर्फ़ कल्लू पिता रोशन लाल 31 वर्ष निवासी ब्रम्ह रोड शीतला वार्ड के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वेल्डिंग मशीन, प्लायर वायर कटर, वेल्डिंग रॉड, टार्च, वायर एक्सटेंशन, इत्यादि ज़ब्त किया है।

घर के पार्किंग से इंजीनियर की बाइक चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

इंजीनियर के घर के पार्किंग से 14 दिसंबर की रात को अज्ञात चोर द्वारा बाइक चोरी कर ली गई। इंजीनियर ने मामले में रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार रविरंजन पाठक गांधीनगर थाना क्षेत्र के पटपरिया का रहने वाला है। वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 15 सीजे 1348 को 14 दिसंबर की रात को घर के पार्किंग में खड़ा किया था। सुबह देखा तो उसकी बाइक नहीं थी। पड़ोस में लगे सीसीटीवी फुटेज देखा तो पता चला की रात करीब 3 बजे अज्ञात चोर द्वारा पार्किंग से बाइक चोरी कर ले गया है।

केशवपुर विद्यालय को मिली नई दिशा
प्राचार्य सुश्री शशि असाटी ने संभाला पदभार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अपने साहित्यिक सुरुचि,अनुशासनप्रियता एवं शिक्षा के प्रति पूर्ण समर्पण के लिए जानी जाने वाली वरिष्ठ व्याख्याता सुश्री शशि असाटी ने स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय,केशवपुर में प्राचार्य के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। उनकी नवीन पदस्थापना से विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। सुश्री शशि असाटी भूगोल, इतिहास एवं हिंदी विषय में परास्नातक हैं। उन्होंने विगत 18 वर्षों तक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अंबिकापुर में व्याख्याता के रूप में सेवाएँ दीं तथा पिछले 2 वर्षों से उप-प्राचार्य के पद पर कार्यरत रहीं।

अपने कर्मठ स्वभाव, अनुशासन एवं कार्य के प्रति निष्ठा के लिए वे शिक्षा जगत में एक सशक्त पहचान रखती हैं। प्राचार्य पद का कार्यभार ग्रहण करते ही विद्यालय परिसर में उनके व्यक्तित्व एवं कार्यशैली की स्पष्ट झलक दिखाई देने लगी है। पूरा कैंपस सुव्यवस्थित, स्वच्छ एवं अनुशासित नजर आ रहा है। शिक्षकों में भी नई ऊर्जा एवं सकारात्मक वातावरण का संचार हुआ है। विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के साथ-साथ क्षेत्र के ग्रामीणों ने भी सुश्री असाटी की नियुक्ति पर खुशी जाहिर की है और उम्मीद जताई है कि नियमित प्राचार्य के रूप में उनके आने से विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था में और अधिक सुधार देखने को मिलेगा। इस अवसर पर प्राचार्य सुश्री शशि असाटी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता विद्यालय को जिले के सर्वोत्कृष्ट विद्यालयों की श्रेणी में लाना तथा परीक्षा परिणाम को शत-प्रतिशत बनाए रखना है। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ का आयोजन रायगढ़ में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ राष्ट्रीय पेंशनर दिवस के रूप में मनाया गया

80 वर्ष और उससे अधिक उम्र के सैकड़ों पेंशनरों सहित 500 से अधिक पेंशनरों का छत्तीसगढ़ प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ द्वारा साल,श्रीफल एवं चंदन वंदन से सम्मान किया गया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ (पंजीयन क्रमांक 5969) प्रान्तीय निकाय द्वारा 17 दिसम्बर राष्ट्रीय पेंशनर दिवस के अवसर पर संघ का 10 वां प्रान्तीय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह जिला मुख्यालय रायगढ़ स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश भर से पेंशनरों ने भाग लिया।

सम्मेलन दो सत्रों में संपन्न हुआ। प्रथम संगठनात्मक सत्र का शुभारंभ अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री शालिक माऊलीकर, प्रान्ताध्यक्ष श्री आर.के. थवाईत एवं कार्यक्रम संयोजक श्री देवेन्द्र कुमार पटेल द्वारा संघ का ध्वजारोहण कर किया गया। इस अवसर पर देश के वीर शहीद, रायगढ़ के सपूत शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी, दिवंगत कर्मचारी नेता स्व. ए.एस. जूलू, राजीव रत्न चौबे एवं एस.पी. सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आतिशबाजी की गई। प्रान्तीय अधिवेशन में प्रदेश भर से उपस्थित पेंशनरों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री शालिक माऊलीकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पेंशनरों की राष्ट्रीय स्तर की जो भी समस्याएं होंगी, उन्हें केंद्र सरकार तक पहुंचाने एवं निराकरण के लिए अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स फेडरेशन संकल्पित है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रान्ताध्यक्ष श्री थवाईत के नेतृत्व में संघ द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने पदाधिकारियों से अधिक से अधिक नए सदस्यों को संगठन से जोड़कर संघ को मजबूत करने का आह्वान किया। प्रान्ताध्यक्ष श्री आर.के. थवाईत ने अपने उद्बोधन में छत्तीसगढ़ के लगभग 4 लाख पेंशनरों से जुड़ी राज्य एवं केंद्र सरकार से संबंधित समस्याओं पर प्रकाश डाला। प्रमुख मांगों में केंद्रीय दर एवं देय तिथि से महंगाई राहत, लंबित 3 प्रतिशत महंगाई राहत की शीघ्र स्वीकृति, राज्य पुनर्गठन 2000 की धारा 49(6) के अंतर्गत मध्यप्रदेश से सहमति लेने की प्रथा समाप्त करना, 65 वर्ष की आयु पर 10 प्रतिशत एवं 75 वर्ष की आयु पर 20 प्रतिशत पेंशन वृद्धि, 3000 रुपये मेडिकल भत्ता स्वीकृत करना, कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रारंभ करना, राज्य व राज्य के बाहर मान्यता प्राप्त अस्पतालों में चिकित्सा सुविधा, चिकित्सा प्रतिपूर्ति नियमों में सुधार, रेल यात्रा टिकट में पूर्व की तरह छूट, राज्य पेंशनर कल्याण मंडल का गठन, निःशुल्क तीर्थ यात्रा सुविधा, प्रत्येक जिले में पेंशनर सामुदायिक भवन हेतु शासकीय भूमि उपलब्ध कराना तथा संघ को पत्राचार हेतु मान्यता देना शामिल रहा। इन मांगों का ज्ञापन उपस्थित जनप्रतिनिधियों के माध्यम से महामहिम राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन को सौंपा गया।

जेंडर कैंपेन नई चेतना 4.0 के तहत जनजागरूकता कार्यक्रम
स्व सहायता समूह की महिलाओं ने दिलाया लिंग समानता का संकल्प

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित जेंडर समानता हेतु राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में अम्बिकापुर विकासखंड स्तर पर जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। अम्बिकापुर जनपद पंचायत सीईओ श्री राजेश सेंगर ने बताया कि जेंडर कैम्पेन नई चेतना 4.0 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के मेंड्राकला वनदेवी क्लस्टर की स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा रंगोली, वाद-विवाद, भाषण, संवाद, नुक्कड़ नाटक एवं कैंडल मार्च जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों के माध्यम से समाज में लिंग समानता का प्रभावी संदेश दिया गया तथा बेटा-बेटी के बीच भेदभाव समाप्त करने और समान अधिकार की भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया गया। स्व सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप संचालित 'जेंडर कैम्पेन नई चेतना' समाज में व्याप्त लिंग भेद की मानसिकता में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक सशक्त एवं प्रभावी पहल है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक क्षेत्र सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। इस अवसर पर स्कूल, कॉलेज एवं गांव स्तर पर बेटा-बेटी में भेदभाव न करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सामूहिक रूप से शपथ दिलाई गई, जिसमें बेटा या बेटी के जन्म पर समान खुशी मनाने, दोनों का समान पालन-पोषण करने, बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने, उनकी शादी निर्धारित आयु के बाद करने, उन्हें समान स्वतंत्रता प्रदान करने, महिला अपहरण एवं घरेलू हिंसा के विरुद्ध आवाज उठाने, छुआछूत समाप्त करने, गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित प्रसव अस्पताल में कराने तथा लैंगिक हिंसा के प्रति समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया गया।

मुखबिर की सूचना पर संभागीय आबकारी विभाग को मिली कामयाबी
दो लाख रुपए के नशीली इंजेक्शन के साथ सप्लायर को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

संभागीय आबकारी उड़नदस्ता की टीम ने दो लाख रुपए के नशीले इंजेक्शन के साथ एक सप्लायर को कोरिया से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा भेजा। जानकारी के अनुसार सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जिला कोरिया के थाना पटना चौकी पंडोपारा अंतर्गत सांवारांवा निवासी दिलीप सोनवानी अपने घर में भारी मात्रा में नशीला इंजेक्शन रखकर बिक्री करता है। सूचना उपरांत सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने दिलीप के पास से नशीली इंजेक्शन खरीदी करवाकर दिलीप सोनवानी घर से एक प्लास्टिक बोरी में 100 नग **REXOGESIC INJECTION** व 100 नग **AVIL INJECTION** जब्त कर आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 22**C** के तहत गिरफ्तार कर बैकुंठपुर न्यायालय में पेश किया न्यायालय से जेल दाखिल किया। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि जिला कोरिया में यह उड़नदस्ता टीम की पहली कार्रवाई है। इसके पूर्व सरगुजा संभाग के सरगुजा, सूरजपुर व बलरामपुर जिले में नशीले इंजेक्शन की कार्रवाई की जा चुकी है,जशपुर और एमसीबी के इंजेक्शन विक्रेताओं की पतासाजी की जा रही है जल्द भी उन जिलों में भी कार्रवाई की जाएगी। पिछले चार महीने में नशीले इंजेक्शन, कफ सिरप विक्रेताओं पर अब तक 31वीं बड़ी कार्रवाई की गई।

शासकीय राजमोहिनी देवी कन्या महाविद्यालय में विविध कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय राजमोहिनी देवी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद एवं राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संचार परिषद भारत सरकार के सौजन्य से श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय गणित दिवस पर सप्ताह भर अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 17 दिसंबर को कार्यशाला, 'भारतीय ज्ञान परंपराओं में गणित शून्य से अनंत तक,'आयोजित की गई जिसमे गणित के विशेषज्ञों डॉ.संगीता पांडेय, श्री सुनील गुप्ता द्वारा गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन ,हार्डी रामानुजन नम्बर्स,आर्यभट्ट के जीवनी और खोज पर प्रकाश डाला गया।सरगुजा के अतिरिक्त संचालक डॉ. रिज्वान उल्लाह द्वारा गणित का महत्व पर विस्तार से चर्चा की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.एजेन टोप्पो द्वारा स्वागत उदबोधन दिया गया।19 दिसम्बर को डॉ.अब्दुल जुनैद खान मैट्स यूनिवर्सिटी रायपुर द्वारा ऑनलाइन गणित के आम जीवन मे महत्व पर प्रेजेंटेशन दिया एवं चर्चा की। बजट बनाने,कार या घर खरीदने,कुकिंग , बेकिंग करने,कंप्यूटर प्रोग्रामिंग,स्टॉक मार्केटिंग,मौसम का पता लगाने, हर तरह के छोटे बड़े काम मे गणित हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है।

सुशासन सप्ताह के तहत 'प्रशासन गांव की ओर'अभियान
जनपद पंचायत अम्बिकापुर में विकासखंड स्तरीय शिविर आयोजित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार सुशासन सप्ताह अंतर्गत 'प्रशासन गांव की ओर' अभियान के तहत जनपद पंचायत अम्बिकापुर परिसर में विकासखंड स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में जनपद पंचायत अम्बिकापुर की 101 ग्राम पंचायतों से आए ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 158 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख रूप से पट्टा, हैंडपंप खनन, विद्युत, राशन कार्ड, पेंशन सहित अन्य जनसमस्याएं शामिल थीं। प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को त्वरित निराकरण हेतु अग्रेषित किया गया। शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया, जनपद अध्यक्ष श्री विक्रम सोनपाकर, जनपद उपाध्यक्ष श्री सतीश यादव, विधायक प्रतिनिधि श्री बाली राम यादव, जनपद सभापति श्री विजय व्यापारी, जनपद सदस्य श्रीमती अनामिका पैकरा तथा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेश सिंह सेंगर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विकासखंड की समस्त ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिवों ने भी सहभागिता निभाई। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके शीघ्र समाधान के लिए आश्वस्त किया।

व्यापार समाचार

नया स्मार्टफोन मोटो जी पॉवर (2026) लॉन्च

नई दिल्ली,21 दिसम्बर 2025। स्मार्टफोन निर्माता कंपनी मोटोरोला ने बजट सेगमेंट में अपना नया स्मार्टफोन मोटो जी पॉवर (2026) लॉन्च कर दिया है। फोन में 6.8 इंच का एफएचडी प्लस एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 1000 निट्स तक की ब्राइटनेस सपोर्ट करता है। स्क्रीन की सुरक्षा के लिए कमिंग गोरिल्ला ग्लास 7 आई का इस्तेमाल किया गया है। मोटो जी पॉवर (2026) मीडियाटेक डायमेंसिटी 6300 ऑक्टा-कोर प्रोसेसर पर चलता है और इसमें 8 जीबी रैम के साथ 128 जीबी यूएफएस 2.2 स्टोरेज मिलती है, जिसे माइक्रो एसडी कार्ड से 1 टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। यह फोन एंड्राएड 16 पर आधारित मायलक्स के साथ आता है। कैमरा सेगमेंट में फोन 50एमपी ओआईएस सपोर्ट वाले प्राइमरी कैमरा और 8 एमपी अल्ट्रा-वाइड लेंस से लैस है, जबकि फ्रंट में 32एमपी का सेल्फी कैमरा दिया गया है। फोन की 5200एमएएच बैटरी 30वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। ऑडियो के लिए इसमें स्टीरियो स्पीकर, डोल्बी डोल्बी अटमॉस और 3.5 एमएम हेडफोन जैक दिया गया है। कनेक्टिविटी फीचर्स में 5जी एसए/एनएसए, डुअल सिम प्लस ईसिम, वायफाय एसी, ब्ल्यूटूथ 5.3, एनएफसी और यूएसबी-सी पोर्ट शामिल हैं। मोटो जी पॉवर (2026) आईपी68 और आईपी69 रेटिंग के साथ वाटर व डस्ट रेसिस्टेंट है और एमआईएल-एसटीडी 810 एच सर्टिफिकेशन के साथ आता है। इस स्मार्टफोन की कीमत करीब 299.99 डॉलर (लगभग 27,100 रुपये) रखी गई है। यह जनवरी 2026 से कनाडा और यूके में बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। यह फोन उन यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो किफायती दाम में परफॉर्मेंस, कैमरा और ड्यूरेबिलिटी तीनों चाहते हैं।

इस सप्ताह खुलेंगे 11 नए आईपीओ,5 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली,21 दिसम्बर 2025। आज शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में हलचल बनी रहने वाली है। सिर्फ चार कारोबारी दिन वाले इस सप्ताह में 11 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से सिर्फ एक गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशलिटी का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है। शेष 10 कंपनियों के आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इन 11 नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 18 दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एक आईपीओ में भी कल यानी 22 दिसंबर तक निवेशक बोली लगा सकेंगे। इस सप्ताह पांच कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिये स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 22 दिसंबर को गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशलिटी का 250.80 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस पब्लिक इश्यू में 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू में बोली लगाने के लिए 108 रुपये से लेकर 114 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 128 शेयर का है।

आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 दिसंबर को कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इसी दिन ईपीडब्ल्यू इंडिया का 31.81 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस पब्लिक इश्यू में भी 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 97 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 दिसंबर को कंपनी के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। 22 दिसंबर को ही डचेपल्ली पब्लिशर्स का 4,039 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस पब्लिक इश्यू में भी 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू में बोली लगाने के लिए 100 रुपये से लेकर 102 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 दिसंबर को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इसी दिन सुंदरेक्स ऑयल का 32.25 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस पब्लिक इश्यू में भी 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू में बोली लगाने के लिए 81 रुपये से लेकर 86 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 दिसंबर को कंपनी के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इसके अलावा श्याम धानी इंडस्ट्रीज का 38.49 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 22 दिसंबर को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस पब्लिक इश्यू में भी 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू में बोली लगाने के लिए 65 रुपये से लेकर 70 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है।

विश्व बैंक ने पाकिस्तान पर फिर दिखाई दरियादिली,70 करोड़ डॉलर की मदद को मंजूरी

नई दिल्ली,21 दिसम्बर 2025। कंगाली से जूझ रहे पाकिस्तान पर विश्व बैंक ने एक बार फिर मेहरबानी दिखाई है। विश्व बैंक ने पाकिस्तान की व्यापक आर्थिक स्थिरता और सेवा क्षेत्र की मजबूती 70 करोड़ डॉलर की सहायता को मंजूरी दे दी है। वैश्विक ऋणदाता के अनुसार बैंक के समावेशी विकास के लिए सार्वजनिक संसाधन (पीआरआईडी-एमपीए) के तहत धनराशि जारी की जाएगी। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि विश्व बैंक ने 1.35 अरब डॉलर तक का वित्तपोषण प्रदान कर सकती है। इस राशि में से 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर संघीय कार्यक्रमों के लिए और

100 मिलियन अमेरिकी डॉलर सिंध में एक प्रांतीय कार्यक्रम के समर्थन में खर्च किए जाएंगे। यह मंजूरी अगस्त में पंजाब में प्राथमिक शिक्षा में सुधार के लिए विश्व बैंक की ओर से दिए गए 47.9 मिलियन डॉलर के अनुदान के बाद मिली है। विश्व बैंक की पाकिस्तान के लिए कंट्री डायरेक्टर बोलोरमा अमगाबाजार ने कहा, 'पाकिस्तान के समावेशी और टिकाऊ विकास के मार्ग के लिए अधिक घरेलू संसाधनों को जुटाना और यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि लोगों के लिए परिणाम देने के लिए उनका कुशलतापूर्वक और पारदर्शी रूप से उपयोग किया जाए। ' उन्होंने कहा, 'एमपीए के जरिए बैंक संघीय और सिंध सरकारों के साथ मिलकर 'ठोस प्रभाव प्रदान करने के लिए काम कर रहा है- स्कूलों और क्लीनिकों के लिए अधिक अनुमानित वित्त पोषण, अधिक निष्पक्ष कर प्रणाली और निर्णय लेने के लिए मजबूत डेटा- साथ ही प्राथमिकता वाले सामाजिक और जलवायु निवेशों की रक्षा करना और जनता के विश्वास को मजबूत करना।

CMYK

विधानसभा स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला सम्पन्न,बूथ सशक्तिकरण पर जोर

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना प्राथमिक लक्ष्य : ललन प्रताप सिंह

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधानसभा स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला का आयोजन मानस भवन में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने की, जबकि जिला संगठन प्रभारी ललन प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे,कार्यक्रम में जिले भर से पार्टी पदाधिकारी,मोर्चा प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

महापुरुषों को नमन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत

कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राष्ट्र निर्माण में इन महापुरुषों के योगदान को स्मरण किया गया।

अटल बिहारी वाजपेयी शताब्दी वर्ष पर विशेष कार्यक्रमों की घोषणा : जिला संगठन प्रभारी ललन प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला, मंडल एवं प्रत्येक बूथ स्तर पर उनकी प्रतिमा अथवा छायाचित्र पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे,उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता अटल जी की विरासत के संरक्षक हैं और संगठन को बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक और अधिक मजबूत करने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं पर है।

सुशासन का अर्थ : योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन : ललन प्रताप सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा प्रतिपादित सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका सही और पारदर्शी क्रियान्वयन कर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाना है, उन्होंने प्रधानमंत्री सड़क योजना का उदाहरण देते हुए कहा कि अटल जी ने गांवों को शहरों से जोड़ने का जो सपना देखा था, वह आज भी ग्रामीण विकास की रीढ़ है।

संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा,आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अटल जी के 'राष्ट्र प्रथम' मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर पर सहभागिता आधारित गतिविधियों का संचालन किया जाएगा, जिससे आमजन और युवा वर्ग प्रेरित हो सके।

स्थानीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान

पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति-नीति एवं विचारधारा के अनुरूप स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से करने का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अनुशासन,समर्पण और निरंतर जनसंपर्क पर विशेष जोर दिया।

आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत

जिला महामंत्री पंकज गुप्ता ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों के प्रभारियों की जानकारी दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समयबद्ध और योजनाबद्ध तरीके से कार्यक्रमों को सफल बनाने की अपील की।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत-अभिनंदन

कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न मोर्चों के नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पगुच्छ एवं माला पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया गया। महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा,अनुसूचित जाति-जनजाति मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा एवं आई.टी. सेल के पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भारी संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता

कार्यशाला में मंडल अध्यक्षों,पार्षदों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं की बड़ी उपस्थिति रही। कार्यक्रम ने संगठनात्मक एकजुटता,बूथ सशक्तिकरण और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के संकल्प को और अधिक मजबूत किया।

किसान कांग्रेस में संगठन विस्तार...जिलाध्यक्ष

उपेन्द्र द्विवेदी ने की ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति

-संवाददाता-
एमसीबी,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

किसान कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए किसान कांग्रेस एमसीबी के जिलाध्यक्ष उपेन्द्र द्विवेदी ने जिले के सभी प्रमुख ब्लॉकों में ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की है, यह नियुक्ति किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा एवं प्रदेश संगठन प्रभारी अकील हुसैन की अनुमति तथा एमसीबी कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव के सुझाव से की गई है। इन नेताओं को मिली ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी, किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष द्वारा जारी सूची के अनुसार निम्न नेताओं को ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है–

- **मनेंद्रगढ़ ब्लॉक-श्री संतोष सिंह**
- **खड़गवां ब्लॉक-श्री गुरुदेव पाण्डेय (कोड़ीमार)**
- **भरतपुर ब्लॉक-श्री कमल प्रसाद जोगी (खांड़ाखोह)**
- **कोटाडोल ब्लॉक-श्री दिलकरन सिंह (कोटाडोल)**

संगठन को मजबूती देने का आह्वान

नियुक्ति के अवसर पर किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष उपेन्द्र द्विवेदी ने सभी नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि सभी पदाधिकारी संगठन के प्रति निष्ठा, ईमानदारी और सक्रियता के साथ कार्य करेंगे तथा किसान कांग्रेस को ब्लॉक स्तर पर और अधिक सशक्त बनाएंगे।

किसानों की आवाज को मिलेगा बल

जिलाध्यक्ष ने यह भी कहा कि ब्लॉक स्तर पर संगठन के सशक्त होने से किसानों की समस्याएं प्रभावी ढंग से सामने आएंगी और किसान कांग्रेस उनकी आवाज बनकर संघर्ष करेगी। यह नियुक्ति संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिए भी अहम मानी जा रही है।

कलेक्टर ने बच्चों को पिलाई 'दो बूंद जिंदगी', पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान शुरू,1 लाख 4 हजार 660 बच्चों को कवर करने का लक्ष्य

-संवाददाता-
सूरजपुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को जिला चिकित्सालय के सभा कक्ष में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर शिवनाथ यादव,कलेक्टर एस. जयवर्धन,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा,सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. हर्षवर्धन शर्मा की उपस्थिति में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया।

21 से 23 दिसंबर तक चलेगा अभियान...

जिले में पल्स पोलियो अभियान का संचालन,21 दिसंबर 2025 को बूथ स्तर पर, 22 एवं 23 दिसंबर 2025 को घर-घर भ्रमण कर किया जाएगा, स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में 1,04,660 (एक लाख चार हजार छह सौ साठ) बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

एक भी बच्चा न छूटे, सख्त निगरानी व्यवस्था...

अभियान की निगरानी राज्य, जिला एवं विकासखंड स्तर से की जा रही है, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे, कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन एवं सीएमएचओ के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग ने अभियान के प्रभावी संचालन हेतु विस्तृत सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार की है। अभियान का उद्देश्य देश और प्रदेश को पूर्णतः पोलियो मुक्त बनाए रखना है।

729 पोलियो बूथ, घर-घर पहुंचेगी स्वास्थ्य टीम : जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. हर्षवर्धन शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत जिले में 729 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, पहले दिन बूथ स्तर पर टीकाकरण, दूसरे व तीसरे दिन घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाई जाएगी, अभियान की जानकारी फैलाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में कोटवारों द्वारा मुनादी कराई जा रही है, साथ ही स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिन अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। स्वयंसेवी एवं समाजसेवी संस्थाओं का भी सराहनीय सहयोग मिल रहा है।

भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी

महापौर शिवनाथ यादव- महापौर शिवनाथ यादव ने कहा कि भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है, उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे, दो बूंद जिंदगी के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को समय पर पोलियो की दवा पिलाना सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की ओर एक मजबूत कदम है।

भीषण ठंड में भी दिखा जनसहभागिता का उत्साह

कड़ाके की ठंड के बावजूद सुबह-सुबह बड़ी संख्या में अभिभावक अपने छोटे बच्चों को लेकर पोलियो बूथों पर पहुंचे। बच्चों के स्वस्थ भविष्य को लेकर अभिभावकों में जागरूकता और उत्साह स्पष्ट रूप से देखने को मिला, यह जनसहभागिता पल्स पोलियो अभियान की सफलता और पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को मजबूत करती दिखाई दी।

पल्स पोलियो अभियानः एक कदम सुरक्षित भविष्य की ओर

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का स्पष्ट संदेश है, हर बच्चा सुरक्षित हो, हर बच्चा पोलियो से मुक्त हो।

वर्ल्ड चैंपियन पद्म भूषण और पद्म श्री साइना नेहवाल के कर कमलों से डॉ डी के सोनी सम्मानित

डॉ डी के सोनी को मिला इंस्पायरिंग इंडियंस के तहत आरटीआई एवं पी आई एल एक्टिविस्ट का अवार्ड

-संवाददाता-
सरगुजा,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा सहित छत्तीसगढ़ में डॉ डी.के. सोनी के नाम से परिचित है, एनके सामाजिक योगदान और निःस्वार्थ सेवा एवं एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता, निडर आरटीआई योद्धा और अनुभवी अधिवक्ता हैं,जिन्होंने पिछले दो दशकों से न्याय, पारदर्शिता और सामाजिक समानता की स्थापना के लिए निरंतर संघर्ष किया है। उन्होंने 4800 से अधिक आरटीआई आवेदन दायर कर सरकारी प्रणाली में पारदर्शिता लाने का अनुकरणीय कार्य किया है। इन आवेदनों के आधार पर उन्होंने 18 से अधिक जनहित याचिकाएं दायर की हैं, जिनमें सुप्रीम कोर्ट में 3 महत्वपूर्ण मामले भी शामिल हैं। श्री सोनी की विधिक सक्रियता केवल कागजों तक सीमित नहीं रही है – उन्होंने जमीनी स्तर पर आदिवासी समुदायों, गरीब मजदूरों और वंचित तबकों के अधिकारों की रक्षा के लिए बेमिसाल प्रयास किए हैं। उन्होंने न सिर्फ बिना फीस के सैकड़ों मामलों में गरीबों की पैरवी की, बल्कि मजदूरी, भूमि अधिकार, और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ दिलाने में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। उनके अथक प्रयासों से अब तक एक करोड़ से अधिक नागरिक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो चुके हैं।

उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियों में निम्नलिखित उल्लेखनीय हैं:

- वन संरक्षण हेतु सरगुजा क्षेत्र में प्रभावी अभियान
- मनरेगा योजना में घोटालों को उजागर कर पारदर्शिता स्थापित करना

- प्रोटोकॉल घोटाले में फर्जी बिलिंग का पर्दाफाश
- विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों, विशेषकर पहाड़ी कोरबा समुदाय के लिए न्याय सुनिश्चित करना
- भ्रष्टाचार, प्रशासनिक उदासीनता और अवैध भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध मजबूत जन आंदोलन चलाना
- राष्ट्रीय और राज्य स्तर के घोटालों को उजागर कर उन्हें न्यायालय तक पहुंचाना

श्री सोनी का समर्पण केवल सेवा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के प्रति एक जीवंत संकल्प है। वे एक ऐसे दुर्लभ व्यक्तित्व हैं,जिन्होंने व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर,अपने जीवन को सामाजिक परिवर्तन के लिए समर्पित कर दिया है। इनके जीवन के ऊपर एक मूवी हिंदी फ़िल्म भी बन चुकी है फ़िल्म का नाम DK है जो कुछ ही दिनों में रिलीज होगी और आम लोगो को यह फ़िल्म देखने को मिलेगा उनके अप्रतिम योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना किया गया है और अब तक इन्हें 47अवार्ड प्राप्त हो चुका हैं।

जंगल में मिली महिला की कुचली हुई लाश, सूरजपुर में दिल दहला देने वाली वारदात

अब तक नहीं हुई पहचान,पुलिस जांच में जुटी,इलाके में दहशत

-संवाददाता-
सूरजपुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

चंदौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पहिया-घाट पेंडारी रोड के जंगल में एक अज्ञात महिला की बेहद निर्मम हत्या कर शव फेंके जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रविवार तड़के करीब 4 से 5 बजे के बीच सड़क किनारे जंगल में महिला की लाश मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर मामला सामने आया,जिसके बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। ग्रामीणों के अनुसार जंगल में पड़ा शव देखने के बाद लोग सहम गए। बताया जा रहा है कि महिला की हत्या अत्यंत बेरहमी से की गई है। हत्यारों ने महिला के चेहरे को बुरी तरह कुचल दिया है,जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया है। शव की स्थिति देखकर आशंका जताई जा रही है कि हत्या कहीं और करने के बाद शव को जंगल में लाकर फेंका गया हो सकता है। घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद क्षेत्र में और अधिक सनसनी फैल गई है.लोग तरह-तरह की आशंकाएं जता रहे हैं और महिला की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। खबर लिखे जाने तक मृत महिला की पहचान नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही चंदौरा थाना प्रभारी मनोज सिंह अपने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल को घेराबंदी कर सुरक्षित किया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है वहीं,मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी और फोरेंसिक टीम को भी सूचित किया गया है,जिनके पहुंचने के बाद साक्ष्य संकलन और विस्तृत जांच की जाएगी। पुलिस आसपास के गांवों में महिला की पहचान को लेकर पूछताछ कर रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि महिला कहां की रहने वाली थी और किस परिस्थिति में उसकी हत्या की गई। इस जघन्य वारदात के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है और लोग जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

गिरफ्तार आरोपी निकला हत्यारा पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेस पूछताछ करने पर आरोपी ने उगला सच

-संवाददाता-
बलरामपुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के चांदों थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्व में आरोपी के द्वारा मृतक को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था 20/12/2025/को मृतक की मृत्यु हो गई प्राथी की रिपोर्ट पर पुलिस उक्त मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछ ताछ करने पर आरोपी ने जुर्म स्वीकार किया, पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 46/ 2025 धारा 103(1) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर न्यायालय में पेश किया। जानकारी के अनुसार प्रार्थी केयर सोनवानी पिता चरकु सोनवानी उम्र 50 वर्ष ग्राम घोड़सोत मड़वा, थाना चांदों में उपस्थित आकर मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 20/12/2025 के लगभग 09:00 बजे रात्रि में मेरा छोटा भाई सुरेश सोनवानी ने बताया कि भैया मेवालाल सोनवानी का आज रात्रि लगभग 8.30 बजे मृत्यु हो गया है। पूर्व में दिनांक 16/12/2025 को आरोपी बितन अगरिया मृतक के घर शाम को गया था इसी दौरान मृतक आरोपी बितन अगरिया के पहने शर्ट के पैकेट से रुपया पैसा निकाल कर गिनने लगा तब आरोपी द्वारा मेरे पैकेट से कैसे रुपया को निकाल कर गिन रहा है कि बात को लेकर आरोपी द्वारा मृतक को हाथ मुक्का व डंडा से सिर में आंख के ऊपर मारने से मृतक का मृत्यु दिनांक 20/12/2025 को रात्रि में हो गया है।

हरे पेड़ों पर सरकारी आरा...जब 'रक्षक' ही बन जाएं 'भक्षक'

दिनदहाड़े हरे पेड़ की बलि...कानून के रखवाले ही बने पर्यावरण के हत्यारे?

- कोरिया वन मंडल कार्यालय परिसर में नीम का हरा-भरा पेड़ काटा गया,वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल
- जिस विभाग की जिम्मेदारी हरियाली बचाने की, वही अपने आंगन में चला रहा आरा ! 26 को विशाल सम्मान समारोह
- हनुमान चालीसा पाठ,संतों का उद्‍बोधन और विशाल भोग-भंडारा होगा आयोजित

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर/रनई,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। श्री हनुमान सेवा समिति रनई के तत्वावधान में गिरजापुर मंडल (केंद्र - रनई) अंतर्गत 26 दिसंबर,शुक्रवार को दोपहर 2 बजे से दुर्गा पूजा पंडाल,रनई में विशाल हिन्दू सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है, समिति के अध्यक्ष विकास शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना एवं सनातन मूल्यों का जागरण करना है। सम्मेलन की शुरुआत हनुमान चालीसा पाठ से होगी। आज के सार्वजनिक जीवन में मंचों की कमी नहीं है, लेकिन अर्थपूर्ण मंच दुर्लभ होते जा रहे हैं, अधिकांश आयोजन सत्ता-प्रदर्शन, राजनीतिक उपस्थिति और फोटो-औपचारिकताओं तक सिमटकर रह गए हैं, ऐसे समय में रनई जैसे ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित विशाल हिन्दू सम्मेलन एक अलग और सकारात्मक संकेत देता है, यह सम्मेलन किसी राजनीतिक दल का नहीं,बल्कि समाज की चेतना का मंच है। इसका मूल उद्देश्य स्पष्ट है सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता और सनातन मूल्यों का पुनर्स्मरण, हनुमान चालीसा पाठ से लेकर संतों के उद्बोधन तक,कार्यक्रम का प्रत्येक चरण समाज को उसकी जड़ों से जोड़ने का प्रयास करता है,हिन्दू समाज की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है, यही विविधता जब संवाद में बदलती है, तब शक्ति बनती है,और जब उपेक्षा में बदलती है,तब विभाजन का कारण बनती है, यह सम्मेलन उसी संवाद को पुनर्जीवित करने का प्रयास है, जहाँ जाति,पद और पहचान से ऊपर उठकर समाज स्वयं से प्रश्न करता है, इस आयोजन का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सम्मान समारोह है, यहाँ सम्मान पदों का नहीं, बल्कि सेवा का है, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,मितानिन, पंचायत कर्मी और ज़मीनी जनप्रतिनिधि ये वे लोग हैं जो नीतियों को काग़ज़ से निकालकर जीवन तक पहुँचाते हैं, जब ऐसे कर्मयोगियों को सार्वजनिक मंच से सम्मान मिलता है,तो समाज स्वयं अपने मूल्यों की पुष्टि करता है,कार्यक्रम के अंत में आयोजित भोग-भंडारा केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता का प्रतीक है,एक पंक्ति में बैठकर,बिना किसी भेदभाव के भोजन करना भारतीय सामाजिक दर्शन का मूल है, यही समरसता इस आयोजन की आत्मा है, हालाँकि प्रश्न यह भी है कि क्या ऐसे आयोजन केवल एक दिन तक सीमित रहेंगे या इनसे उपजी चेतना समाज के व्यवहार में भी दिखाई देगी? यदि यह सम्मेलन केवल स्मृति बनकर रह गया, तो उद्देश्य अधूरा रहेगा, लेकिन यदि इससे समाज में सम्मान,सहयोग और संवाद की संस्कृति मजबूत होती है,तो यह आयोजन अपने आप में उदाहरण बन जाएगा, आज ज़रूरत है कि ऐसे मंचों को केवल आयोजन न मानकर,सामाजिक उत्तरदायित्व की शुरुआत समझा जाए। क्योंकि जब समाज स्वयं आगे आता है, तभी बदलाव स्थायी होता है।

जब मंच सत्ता का नहीं,समाज की आत्मा का हो

आज के समय में जब सार्वजनिक मंच अक्सर राजनीतिक प्रदर्शन, शक्ति-संतुलन और भीड़-प्रबंधन तक सीमित हो गए हैं, ऐसे दौर में रनई जैसे ग्रामीण अंचल में विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन एक अलग ही संदेश देता है, यह आयोजन सत्ता के लिए नहीं, समाज की चेतना के लिए है, यह सम्मेलन न तो चुनावी नफा-नुकसान का हिसाब लगाता है,न ही किसी दल की राजनीतिक भाषा बोलता है, इसका मूल भाव स्पष्ट है सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक आत्मबोध और सनातन चेतना का जागरण।

हिन्दू सम्मेलन या हिन्दू चेतना का पुनः स्मरण?

हिन्दू समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता रही है। लेकिन बीते वर्षों में यह समाज अक्सर खांचों में बाँटने की कोशिशों का शिकार रहा, कभी जाति के नाम पर, कभी पद के नाम पर, तो कभी राजनीतिक लाभ के लिए, रनई में आयोजित यह सम्मेलन उसी टूटन के विरुद्ध एक सांस्कृतिक उत्तर है। हनुमान चालीसा का पाठ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि कर्तव्य, साहस और सेवा की स्मृति है, संतों का उद्बोधन केवल प्रवचन नहीं, बल्कि समाज को आईना दिखाने का प्रयास है।

संत-महात्माओं का मार्गदर्शन

कार्यक्रम में पंडित सुयश देव जी महाराज एवं पंडित विक्रम शास्त्री जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे और धर्म, संस्कृति तथा सामाजिक एकता पर अपना उद्बोधन देंगे, इसके साथ ही समाज सेविका सुनीता कुर्रे, राज्यपाल पुरस्कृत एवं सेवा निवृत्त शिक्षक राजलाल राजवाड़े, तथा मातृ शक्ति समुंद्री राजवाड़े द्वारा सामाजिक विषयों पर विचार व्यक्त किए जाएंगे।

विशाल भोग-भंडारा

कार्यक्रम के समापन पर सामाजिक समरसता के निमित्त विशाल भोग-भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें क्षेत्रवासियों से सपरिवार उपस्थित होकर सहभागिता करने की अपील की गई है, समिति ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों से इस आयोजन में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

सम्मान समारोहः पद नहीं,योगदान का उत्सव

इस आयोजन की सबसे सार्थक बात यह है कि यहाँ सम्मान किसी पद या रसूख का नहीं,बल्कि सेवा और दायित्व का है, शिक्षक,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,मितानिन,रोजगार सहायक,पंचायत कर्मी ये वे लोग हैं जो नीतियों के पोस्टर नहीं,नीतियों के धरातलीय चेहरे हैं,जब ऐसे लोगों को मंच पर सम्मान मिलता है,तब समाज यह स्वीकार करता है कि विकास केवल घोषणाओं से नहीं,ज़मीनी कर्म से होता है।

सम्मान समारोह का आयोजन

सम्मान समारोह के अंतर्गत गिरजापुर मंडल क्षेत्र के अंतर्गत कार्यरत समस्त शिक्षकगण,जनप्रतिनिधि (जिला पंचायत सदस्य,जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच, उपसरपंच),ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएँ,स्वास्थ्य कार्यकर्ता,मितानिन एवं कोटवार को उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

विधायक भूलन सिंह मरावी के प्रयासों से प्रेमनगर को मिली ऐतिहासिक सड़क सौगात

पीएमजीएसवाई (चरण-4) के तहत 20 ग्राम पंचायतों में लगभग 70 किमी सड़क निर्माण को स्वीकृति

-संवाददाता-

सूरजपुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के विकास पथ पर एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। भूलन सिंह मरावी के सतत प्रयासों के फलस्वरूप प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (चरण-4) के अंतर्गत बैच-1 में क्षेत्र को बड़ी सड़क सौगात मिली है। योजना के तहत प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र में कुल 69.97 किलोमीटर लंबी सड़कों के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिस पर लगभग 54 करोड़ 99 लाख 7 हजार 745 रुपये की लागत आएगी।

ग्रामीण कनेक्टिविटी को मिलेगी नई मजबूती

इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण अंचलों की कनेक्टिविटी सशक्त होगी और वर्षों से चली आ रही सड़क संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। कई दूरस्थ बसाहटों को पहली बार पक्की सड़क से जोड़ने की तैयारी है, जिससे आवागमन सुगम होगा और ग्रामीण जीवन की तस्वीर बदलेगी।

इन 20 ग्राम पंचायतों को मिलेगा सीधा लाभ

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (चरण-4) के तहत जिन 20 ग्राम पंचायतों को इस योजना का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा,उनमें प्रमुख रूप से सूरजपुर,स्वापा,रामानुजनगर, बनखेता पारा, शिवनगर, पार्वतीपुर, महेशपुर, लक्ष्मणपुर, महगई, अन्नपूर्णा, लक्ष्मीपुर, राजापुर, गोपीपुर, दवना कतेलपारा, अर्जुनपुर, मोहनपुर, गणेशपुर एवं दुर्गापुर शामिल हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि को मिलेगा बढ़ावा

इन सड़कों के निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा,बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं,कृषि उपज के परिवहन और व्यापारिक गतिविधियों को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा। किसानों को बाजार तक पहुंच आसान होगी और विद्यार्थियों व मरीजों को समय पर सुविधा मिल सकेगी।

विधायक मरावी का बयान

इस अवसर पर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि प्रेमनगर विधानसभा का समग्र और संतुलित विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है,उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं और आगे भी विकास कार्यों की गति को बनाए रखा जाएगा। उन्होंने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

इन प्रमुख मार्गों को मिली निर्माण की स्वीकृति, स्वीकृत सड़कों में कई अत्यंत महत्वपूर्ण ग्रामीण मार्ग शामिल हैं, जिनमें...

बनखेतापरा से कतेलपारा,शिवनगर से सालका सराईपारा,उमेश्वरपुर से पार्वतीपुर, महेशपुर से तेंदुपारा,तारा-प्रेमनगर से शिवनगर,महेशपुर से लक्ष्मणपुर (धवईटिकरा),महगई रोड से पांडे कतेल,महगई रोड से जोबा कटेला,भगवानपुर से अन्नपूर्णा (देवरियापारा), कर्मी टिकरा से लक्ष्मीपुर,राजापुर से राजापुर गौटियापारा,गोपीपुर से बिशुनपुर,परशुरामपुर से उमेश्वरपुर-मोहनपुर-पंडोपारा,शाल्ही से दवना कतेलपारा,अर्जुनपुर से माधवपुर, महादेव सरना से उपका घुतरा,मोहनपुर से रामेश्वरम,गणेशपुर कर्मी डुग्गु से चिउरा पखना,राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 (एनएच-43) तिलसिवां से भैसामार गोंडपारा,लांची से लांची सत्तीपारा,जैसे अनेक अहम मार्ग शामिल हैं।

क्षेत्रवासियों में खुशी, बताया ऐतिहासिक कदम : वहीं क्षेत्रवासियों ने इस बड़ी सड़क सौगात के लिए विधायक श्री मरावी का आभार जताते हुए इसे प्रेमनगर विधानसभा के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और मील का पत्थर साबित होने वाला कदम बताया है।

ग्रामीणों का कहना है कि ये सड़कें आने वाले वर्षों में पूरे क्षेत्र की दशा और दिशा बदल देंगी।

कलेक्ट्रेट में 01 जनवरी से बायोमेट्रिक डिवाइस से लगेगा अटेंडेंस...

175 अधिकारी-कर्मचारियों का आधार-सक्षम बायोमेट्रिक प्रणाली में पंजीयन पूर्ण

-संवाददाता-

सूरजपुर,21 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। शासन के निर्देशानुसार 01 जनवरी 2026 से कलेक्ट्रेट परिसर में आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू की जा रही है। इस व्यवस्था के लागू होने से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति अब बायोमेट्रिक डिवाइस के माध्यम से दर्ज की जाएगी,जिससे समयपालन और कार्यसंस्कृति में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। कलेक्टर के निर्देश पर पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण-कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश पर कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित समस्त कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पंजीयन एनआईसी के सहयोग से किया गया,इसके अंतर्गत 175 अधिकारी एवं कर्मचारियों का आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली में सफलतापूर्वक पंजीयन सुनिश्चित किया जा चुका है।

ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

प्रशासन द्वारा जिले के सभी जिला-स्तरीय अधिकारियों को यह निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों का पंजीयन शासन की आधिकारिक वेबसाइट https://cggad.attendance.gov.in/ पर अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराएं, ताकि 01 जनवरी 2026 से सभी कर्मचारी AEBAS प्रणाली का हिस्सा बन सकें।

अभी से दी जा रही है उपयोग की ट्रेनिंग

इस संबंध में जानकारी देते हुए डिप्टी कलेक्टर रमेश मोर ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशों के अनुपालन में जिला संयुक्त कार्यालय अंतर्गत संचालित सभी विभागीय कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों का ऑनबोर्डिंग कार्य पूरा कर लिया गया है,उन्होंने बताया कि बायोमेट्रिक प्रणाली से अधिकारी-कर्मचारी भली-भांति परिचित हो सकें,इसके लिए उन्हें अभी से इसके उपयोग संबंधी दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।

आने-जाने के समय बायोमेट्रिक हाजिरी शुरू

ऑनबोर्ड हो चुके अधिकारी एवं कर्मचारी अब कार्यालय में आने और जाने दोनों समय बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली का प्रयोग कर रहे हैं, इसका उद्देश्य 01 जनवरी से पूर्ण रूप से लागू होने वाली व्यवस्था से पहले सभी को प्रणाली के उपयोग का अभ्यास कराना है।

प्रशासनिक पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कद

आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के लागू होने से कलेक्ट्रेट में कार्यदिवस की निगरानी, समयपालन और उपस्थिति की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित होगी। प्रशासन का मानना है कि इससे सरकारी कामकाज में अनुशासन बढ़ेगा और आम जनता को भी समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी।

01 जनवरी 2026 से पूरी तरह लागू होगी व्यवस्था-

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 01 जनवरी 2026 से कलेक्ट्रेट परिसर में सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बायोमेट्रिक अटेंडेंस के माध्यम से ही उपस्थिति दर्ज करेंगे।

मुख्यमंत्री साय रजत जयंती पर 'छत्तीसगढ़ी फिल्मों के सफर' कार्यक्रम में हुए शामिल

छत्तीसगढ़ी सिनेमा के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार संकल्पित : सीएम साय

रायपुर, 21 दिसम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम द्वारा आयोजित 'छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ी फिल्मों का सफर' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ी सिनेमा की विकास यात्रा, उपलब्धियों और उज्ज्वल भविष्य पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम के गठन में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि छालीवुड की सशक्त नींव रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने निगम के प्रथम अध्यक्ष स्वर्गीय राजेश अवस्थी का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि उनका असामयिक निधन न केवल छत्तीसगढ़ी सिनेमा, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ी फिल्मों के विकास को लेकर पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में चित्रोत्पला फिल्म सिटी का निर्माण किया जा रहा है, जिसके लिए 150 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश में छालीवुड का भविष्य स्वर्णिम है और फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सरकार हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक वर्ष प्रदेश के चहुंमुखी विकास की नई इबारत लिख रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ी फिल्म विकास की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले निर्माताओं और वरिष्ठ कलाकारों मोहन सुंदरानी, सतीश जैन, संतोष जैन, मनोज वर्मा, अनुज शर्मा और प्रेम चंद्राकर को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुमोना सेन ने मुख्यमंत्री साय का अभिनंदन करते हुए निगम के पुनर्गठन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ी फिल्म 'मोर छइंहा भुइंया' के निर्माता सतीश जैन को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस फिल्म ने छत्तीसगढ़ी सिनेमा को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री के समग्र और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

छत्तीसगढ़ी सिनेमा आज एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है : साय

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा आज एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने निगम की वर्तमान अध्यक्ष सुमोना सेन को एक अनुभवी, कर्मठ और समर्पित कलाकार बताते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में छालीवुड का बहुमुखी विकास सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ी फिल्में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की संस्कृति, कला और पहचान को और अधिक सशक्त रूप में स्थापित करेंगी। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में फिल्म निर्माण की ऐतिहासिक यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1957 से प्रदेश में फिल्मों के निर्माण का सिलसिला प्रारंभ हुआ। उन्होंने भूलन कांदा उपन्यास पर आधारित फिल्म 'भूलन द मेज' को प्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार को पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया।मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा की जड़ें लोक संस्कृति, लोककथाओं और सामाजिक सरोकारों से गहराई से जुड़ी हैं, जो इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा हमारी लोकसंस्कृति और अस्मिता का जीवंत दस्तावेज है।

छत्तीसगढ़ सरकार के 2 साल पूरे जांजगीर में जनादेश परब....

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और सीएम साय होंगे शामिल

जांजगीर-चांपा,21 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार के दो साल पूरे होने पर जांजगीर-चांपा जिले के पुलिस ग्राउंड में 'जनादेश परब' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद और विधायक भी उपस्थित रहेंगे। यह राज्य स्तरीय कार्यक्रम 22 दिसंबर को आयोजित होगा। इसमें प्रदेश भर के प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को गृह प्रवेश की चाबियां सौंपी जाएंगी। साथ ही शिवरीनारायण धार्मिक पर्यटन स्थल को सुंदर बनाने की दिशा में भी पहल की जाएगी। विभिन्न विभागों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार की व्यवस्था

जिनके माध्यम से सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर 50 हजार कुर्सियां लगाई गई हैं और सुरक्षा के लिए 900 से अधिक पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री साय के सुशासन के दो वर्ष पूरे होने पर 'जनादेश परब विश्वास, निर्माण और गौरव' का नया नारा दिया है। कार्यक्रम को सफल और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग विशेष तैयारियां कर रहा है। कलेक्टर और एसपी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर विभागीय स्टॉलों के माध्यम से योजनाओं के प्रचार-प्रसार और आम जनता की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य स्तरीय समारोह को लेकर जनता में उत्साह

जांजगीर-चांपा जिले में आयोजित इस राज्य स्तरीय समारोह को लेकर स्थानीय लोगों में उत्सुकता है। उम्मीद की जा रही है कि इस कार्यक्रम के बाद प्रदेश के विकास के साथ-साथ जांजगीर-चांपा जिले में भी विकास का एक नया अध्याय शुरू होगा।

जनसभा के लिए विशाल डोम और बैठक व्यवस्था

जनसभा के लिए तीन डोम लगाई गई है जिसमें 50 हजार से अधिक कुर्सी बैठने के लिए लगाई गई। सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई है जिसमें बिलासपुर संभाग से 900 से अधिक पुलिस जवानों की तैनाती पंडालों,सड़को के चौक चौराहों,पार्किंग एरिया में लगाई जाएगी।

पुलिस अधिकारी की गिरफ्तारी जल्द

छग हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज की

बिलासपुर,21 दिसम्बर 2025। यौन उत्पीड़न के आरोपों में फंसे एक पुलिस अधिकारी की अग्रिम जमानत याचिका को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने कहा कि आरोपित एक पुलिस अफसर है और यदि उसे अग्रिम जमानत दी जाती है तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपों की प्रकृति बेहद गंभीर है,ऐसे में राहत देने का कोई आधार नहीं बनता। दुर्ग जिले के पुराना भिलाई थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला की शिकायत पर पुलिस अधिकारी अरविंद कुमार मेढ़े के खिलाफ यौन उत्पीड़न का अपराध दर्ज किया गया है। पीड़िता ने एफआईआर में बताया कि उसका बेटा पॉक्सो एक्ट के एक मामले में जेल में बंद है। इसी का फायदा उठाकर आरोपी पुलिस अधिकारी ने बेटे की जमानत कराने का झांसा दिया और उससे संपर्क बढ़ाया। पीड़िता के अनुसार 18 नवंबर 2025 की शाम को उसे थाने बुलाया गया, जहां महिला पुलिसकर्मियों ने कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए। इसके बाद आरोपी ने फोन कर उसे चरौदा बस स्टैंड बुलाया और अपनी गाड़ी में बैठाकर एक सूनसान जंगल वाले इलाके में ले गया।

महिला ने आरोप लगाया कि वहां आरोपी पुलिस अधिकारी ने उससे शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला, गले लगाया और अश्लील हरकतें कीं। पीड़िता के मुताबिक, मासिक धर्म की जानकारी देने पर आरोपी ने उसे छोड़ दिया और दो दिन बाद फिर मिलने की बात कही। घटना के लगभग 24 घंटे बाद,19 नवंबर 2025 की शाम करीब छह बजे पीड़िता ने थाने में आरोपी पुलिस अधिकारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न की एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद आरोपी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। याचिका में आरोपों को निराधार बताया गया और कहा गया कि एफआईआर दर्ज कराने में देरी हुई है तथा आरोपी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

छत्तीसगढ़ पुलिस भर्ती विवाद....शिकायतों पर गृहमंत्री का सीधा संवाद और बड़ा आश्वासन

रायपुर,21 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया को लेकर पिछले कुछ समय से चल रहे विवाद और अभ्यर्थियों के असंतोष के बीच राज्य सरकार ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने स्वयं अभ्यर्थियों के बीच पहुँचकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का मोर्चा संभाला है। यह कदम चयन प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों और अनियमितताओं के आरोपों के बाद उठाया गया है। छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में कथित गड़बड़ी के आरोपों को लेकर मचे घमासान के बीच उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने संवेदनशीलता का परिचय दिया। रायपुर के सिविल लाइन स्थित अपने शासकीय निवास पर उन्होंने प्रदेश भर से आए सैकड़ों अभ्यर्थियों के साथ आमने-सामने चर्चा की। यह संवाद सत्र इसलिए आयोजित किया गया ताकि अभ्यर्थी बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी शिकायतों और आपत्तियों को सीधे सरकार के समक्ष रख सकें।

5,967 पदों की चयन प्रक्रिया पर उठे गंभीर सवाल

विवाद का मुख्य केंद्र सितंबर माह में आयोजित हुई पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने कुल 5,967 रिक्त पदों के लिए यह भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी। जब परीक्षा के परिणाम और चयन सूची सामने आई, तो कई उम्मीदवारों ने चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए। अभ्यर्थियों का आरोप था कि नियमों को ताक पर रखकर अनियमितताएं की गई हैं, जिससे योग्य उम्मीदवार चयन से वंचित रह गए हैं।

पुलिस मुख्यालय और गृहमंत्री के निवास पर सुनवाई का दौर : सरकार ने अभ्यर्थियों के आक्रोश को भांपते हुए दो-स्तरीय शिकायत निवारण प्रक्रिया अपनाई। सबसे पहले 19 और 20 दिसंबर को पुलिस मुख्यालय स्तर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने शिकायतकर्ताओं से विस्तार से चर्चा की थी। इसके बाद, मामले की गंभीरता को देखते हुए गृहमंत्री ने खुद मोर्चा संभाला। उनके बंगले पर हुई बैठक में न केवल उम्मीदवार बल्कि सभी जिलों के एडिशनल एसपी रैंक के अधिकारी भी मौजूद रहे, ताकि मौके पर ही तथ्यों की जांच की जा सके।

अधिकारियों ने नियमों के आधार पर दिया हर शंका का समाधान

गृहमंत्री के निवास पर आयोजित इस संवाद में अधिकारियों ने एक-एक कर अभ्यर्थियों द्वारा उठाए गए बिंदुओं का जवाब दिया। भर्ती के दौरान अपनाई गई फिजिकल टेस्ट, लिखित परीक्षा और आरक्षण नियमों से जुड़ी शंकाओं पर एडिशनल एसपी रैंक के अधिकारियों ने दस्तावेजी प्रमाणों और नियमावली के आधार पर स्पष्टीकरण दिया। सरकार का उद्देश्य यह था कि अभ्यर्थियों को यह समझ आए कि चयन प्रक्रिया में किन मापदंडों का पालन किया गया है।

बी-टेक छात्रा की लाश मिली, जिंदल युनिवर्सिटी के हॉस्टल में हड़कंप

रायगढ़, 21 दिसम्बर 2025। जिले में एक छात्रा ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगा ली। प्रिंसी कुमारी (20 साल) जिंदल युनिवर्सिटी में बी-टेक सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। 20 दिसंबर की रात हॉस्टल के कमरे में फांसी पर लटका उसका शव मिला है। घटना पूंजीपथरा थाना क्षेत्र की है। प्रिंसी के कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें उसने लिखा है कि सॉरी मम्मी पापा मैं आप लोगों के इच्छा के अनुरूप नहीं कर पाई और बहुत ज्यादा पैसा खर्च करा दी। आपके सेविंग अकाउंट का पैसा भी लग जा रहा है। मैं पढ़ने में बहुत अच्छी नहीं हूं। मम्मी-पापा सॉरी आप लोगों का नाम खराब कर रही हूं। फिलहाल मामले की सूचना में पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, जमशेदपुर टाटा की रहने वाली प्रिंसी कुमारी (20 साल) पूंजीपथरा स्थित जिंदल युनिवर्सिटी में हॉस्टल में रह कर बी-टेक सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। शनिवार की रात तकरीबन साढ़े 8 बजे उसके परिजन उसे मोबाइल पर कॉल कर रहे थे, लेकिन कई बार कॉल करने के बाद भी उसने मोबाइल रिसीव नहीं किया। ऐसे में प्रिंसी के परिजन घबरा गए और हॉस्टल में वार्डन को कॉल किया। तब हॉस्टल की वार्डन छात्रा के कमरे में गई तो दरवाजा अंदर से बंद मिला और जब दरवाजा नहीं खुला। तब वार्डन ने किसी तरह खिड़की से देखा तो पता चला कि प्रिंसी फांसी पर लटकी हुई है। इसके बाद अन्य छात्राओं को जानकारी देते हुए मामले की सूचना पूंजीपथरा पुलिस को दी गई।

साय सरकार का बड़ा कदम...छात्रों के स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा,i-Hub छत्तीसगढ़ को और मजबूत करेंगे

रायपुर,21 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने छात्रों और युवाओं के नए आइडिया को आगे बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। राज्य में छात्र स्टार्टअप एवं नवाचार नीति को मजबूत करने के लिए सरकार ने 5 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है। इससे कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र अपने नए विचारों को स्टार्टअप में बदल सकेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में दी गई यह राशि चालू वित्तीय वर्ष में खर्च की जाएगी। सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश के युवा नौकरी ढूंढने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। इस बजट से i-Hub छत्तीसगढ़ को और मजबूत किया जाएगा। इसके तहत स्टार्टअप से जुड़े कामों की निगरानी और योजना बनाई जाएगी। छात्रों के लिए हैकाथॉन, आइडियाथॉन, इनोवेशन कैंप और स्टार्टअप मीटिंग्स आयोजित होंगी। स्कूल-कॉलेज के छात्रों में नवाचार को लेकर जागरूकता बढ़ाई जाएगी। आइडिया से स्टार्टअप तक आसान रास्ता होगा। अगर किसी छात्र के पास नया और उपयोगी आइडिया है, तो सरकार उसकी मदद करेगी। आइडिया को प्रोटोटाइप (नमूना मॉडल) बनाने तक आर्थिक सहायता मिलेगी। शुरुआती रिसर्च, डिजाइन और तकनीकी मदद छात्रों को मिलेगी। चुने गए स्टार्टअप्स को सीड फंड ताकि वे अपने उत्पाद को बाजार में उतार सकें। इसके साथ ही पेटेंट और कॉपीराइट में भी सहायता मिल सकेगा। सरकार छात्रों के नवाचार को सुरक्षित रखने पर भी ध्यान दे रही है। इसके लिए पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क कराने में मदद और कानूनी और तकनीकी सहयोग मिलेगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट विजन है कि छत्तीसगढ़ को नवाचार एवं उद्यमिता का सशक्त केंद्र बनाया जाए। छात्र स्टार्टअप एवं नवाचार नीति के लिए 5 करोड़ रुपए की यह स्वीकृति युवाओं के विचारों और क्षमताओं पर सरकार के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह निवेश छात्रों और नवप्रवर्तकों को अपने नवाचारों को व्यावहारिक उद्यम में परिवर्तित करने का अवसर देगा, जिससे न केवल नए स्टार्टअप्स विकसित होंगे,बल्कि राज्य में रोजगार सृजन को भी नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुताबिक छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं की प्रतिभा, नवाचार और उद्यमशील सोच को सशक्त करने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। छात्र स्टार्टअप एवं नवाचार नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु 5 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

जगदलपुर में हादसा...कंटेनर पलटने से 50 गायों की मौत

जगदलपुर,21 दिसम्बर 2025। कोटपाड़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत घुमर गांव के पास मवेशियों से भरा एक कंटेनर हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में कंटेनर में मौजूद 50 से अधिक गायों की मौके पर ही मौत हो गई। कंटेनर के जरिए देर रात कोटपाड़ क्षेत्र से घुमर मार्ग होते हुए मवेशियों को अवैध तरीके से आंध्रप्रदेश ले जाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में मवेशी के होने से कंटेनर चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके चलते कंटेनर सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि कंटेनर में मौजूद अधिकांश गायों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना की खबर मिलते ही घुमर गांव सहित आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस व अग्निशमन विभाग को सूचना दी। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य शुरू किया,लेकिन तब तक 50 से अधिक गायों की जान जा चुकी थी.ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना मवेशियों की तस्करी की जा रही है। ग्रामीणों द्वारा बार-बार विरोध किए जाने के बावजूद अवैध गो-चालान का सिलसिला थम नहीं रहा है।

अतिरिक्त महाधिवक्ता मरहास ने दिया इस्तीफा

बिलासपुर,21 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ शासन के अतिरिक्त महाधिवक्ता रणवीर सिंह मरहास ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने त्यागपत्र राज्य सरकार के विधि सचिव को भेजते हुए तत्काल प्रभाव से स्वीकार करने का अनुरोध किया है। बीते 17 नवंबर को महाधिवक्ता पद से प्रफुल्ल भारत ने त्यागपत्र दिया था। उसके बाद एडिशनल एजी विवेक शर्मा को नया महाधिवक्ता बनाया गया था। विधि सचिव को प्रेषित अपने इस्तीफे में मरहास ने कहा है कि पिछले दो वर्षों तक इस महत्वपूर्ण पद पर सेवा देना उनके लिए सम्मान और सौभाग्य की बात रही। इस अवधि में उन्हें राज्य से जुड़े कानूनी मामलों में योगदान देने, विभिन्न न्यायालयों में शासन का प्रतिनिधित्व करने और अनुभवी व समर्पित सहकर्मियों के साथ काम करने का अवसर मिला। मरहास ने अपने पत्र में राज्य सरकार द्वारा मिले विश्वास और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन के समर्थन के कारण ही वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी क्षमता के साथ कर पाए। उनके अनुसार, उन्होंने अपना कार्यकाल संतोषजनक रूप से पूरा किया है और अब पद छोड़ने का यह उचित समय है।

छत्तीसगढ़ में बड़े प्रशासनिक फेरबदल की तैयारी,आईपीएस अधिकारियों के तबादले जल्द

रायपुर,21 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों हलचल तेज है। हाल ही में हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद अब राज्य सरकार भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों की एक बड़ी तबादला सूची जारी करने की तैयारी में है। इस फेरबदल को लेकर पुलिस मुख्यालय से लेकर जिला मुख्यालयों तक चर्चाओं का बाजार गर्म है। माना जा रहा है कि इस महीने के अंत तक पुलिस विभाग में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल ही में प्रशासनिक कसावट लाने के उद्देश्य से 11 आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी की थी, जिसके तहत प्रदेश के 6 जिलों को नए कलेक्टर मिले हैं। इस बड़े बदलाव के बाद अब सबकी निगाहें पुलिस विभाग पर टिकी हैं। शासन स्तर पर आईपीएस अधिकारियों की नई सूची को लेकर होमवर्क लगभग पूरा कर लिया गया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक यह सूची सार्वजनिक कर दी जाएगी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस आगामी सूची में न केवल जिलों के पुलिस कप्तान बदले जाएंगे।

नारायणपुर में एक्सीडेंटल फायर, डीआरजी आरक्षक की मौत हुई

नारायणपुर,21 दिसम्बर 2025। एरिया डोमिनेशन ऑपरेशन से लौटते समय हुए एक्सीडेंटल फायर से डीआरजी जवान की मौत हो गई. घटना थाना छोटेडोंगर अंतर्गत कैंप कड़ेनार में घटित हुई. जानकारी के अनुसार, एक्सीडेंटल फायर में सिर के पास गोली लगने से नारायणपुर डीआरजी के आरक्षक बलदेव सिंह हुर्रा गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें तुरंत धौड़ाई अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया. लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उपचार के दौरान आरक्षक बलदेव सिंह हुर्रा का निधन हो गया. फिलहाल, पोस्टमार्टम व कानूनी कार्रवाई जारी है।

जंबूरी के नाम पर खेल...GeM टेंडर बाद में, काम पहले

रायपुर,21 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से सरकारी खरीद प्रणाली GeM Portal से टेंडर सवालों के घेरे में है। इस बार मामला भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के जंबूरी आयोजन से जुड़ा है, जहां 1 सितंबर 2025 को टेंडर को लेकर जारी गाइडलाइन की खुलेआम अनदेखी करते हुए करीब 5 करोड़ रुपये के संभावित घोटाले की पटकथा पहले ही लिख दी गई। सूत्रों के मुताबिक 8 दिसंबर को जंबूरी आयोजन के लिए भूमि पूजन खुद शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव द्वारा किया गया। इसके ठीक दो दिन बाद, 10 दिसंबर को जेम पोर्टल पर टेंडर फ्लोट कर दिया गया। नियमों के मुताबिक टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता और तय समय-सीमा का पालन अनिवार्य होता है, लेकिन इस पूरे मामले में नियम सिर्फ कागजों तक सीमित नजर आते हैं। टेंडर की क्लोजिंग 20 दिसंबर की शाम 5:30 बजे तय थी और इसी दिन टेंडर फाइनल किया जाना था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि क्लोजिंग के समय विभाग का कार्यालय बंद मिला। टेंडर से संबंधित जानकारी के लिए जारी किए गए मोबाइल नंबर भी बंद पाए गए। सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि 20 दिसंबर की शाम को टेंडर फाइनल किया गया। मगर बालोद के मालीघोरी मैदान में टेंट लगाने का काम एक सप्ताह पहले ही शुरू हो चुका था। वर्तमान में आधे से ज्यादा काम भी पूरा हो चुका है। दरअसल मालीघोरी मैदान में दर्जनों टैंट गाड़े जा चुके हैं। इसके अलावा अस्थाई आवास को तैयार करने के लिए लगाने वाला सामान भी मैदान में पड़ा हुआ है। यह काम एक रात में तो संभव नहीं है। टीआरपी के पास इससे जुड़े सभी दस्तावेज मौजूद हैं। सवाल उठता है कि जब टेंडर फाइनल ही नहीं हुआ था, तब काम कैसे शुरू हो गया? क्या कंपनी पहले से ही तय कर ली गई थी? बता दें कि मालीघोरी मैदान, बालोद को जंबूरी आयोजन स्थल के रूप में 14 नवंबर 2025 को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी सर्कुलर में घोषित किया गया था।

पीएम नरेंद्र मोदी ने डिब्रूगढ़ में अमोनिया-यूरिया प्लांट का किया उद्घाटन

बांग्लादेशी घुसपैठिए कांग्रेस ने ही बसाए,उन्हें बचा भी रही,इसलिए एसआईआर का विरोध : पीएम मोदी

डिब्रूगढ़,21 दिसम्बर 2025। असम दौरे के दूसरे दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने डिब्रूगढ़ में अमोनिया-यूरिया प्लांट का उद्घाटन किया, जिसकी सालाना उत्पादन क्षमता 12.7 लाख टन होगी। यह यूनिट 2030 तक चालू हो जाएगी। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पहले किसानों को खाद के लिए खानी पड़ती थीं। जो काम कांग्रेस को उस समय करना था, उसने नहीं किया। इसलिए मुझे एक्स्ट्रा मेहनत करनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को कांग्रेस ने ही बसाया है और कांग्रेस ही उन्हें बचा रही है। एसआईआर का विरोध कर रही है। तुष्टिकरण और वोट बैंक के इस कहर से हमें असम को बचाकर रखना है। मैं आपको गारंटी देता हूं कि असम की पहचान और सम्मान की रक्षा के लिए भाजपा फौलाद बनकर खड़ी है। इससे पहले पीएम ने गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी में क्रूज पर 25 बच्चों के साथ करीब 45 मिनट परीक्षा पे चर्चा भी की। मोदी ने नामरूप में ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्प लिमिटेड के मौजूदा परिसर में नए फर्टिलाइजर यूनिट की आधारशिला रखी। पीएम मोदी ने कहा- हमारा लक्ष्य असम को उतना ही शक्तिशाली बनाना है जितना वह सदियों पहले अहोम राजवंश के समय था। हमारे किसानों को खाद की सप्लाई मिलती रहे। डिब्रूगढ़ का यह फर्टिलाइजर प्लांट किसानों की जरूरत को पूरा करेगा। इसमें 11 हजार करोड़ रुपए इंवेस्ट किए जाएंगे। जब देश के कई हिस्सों में खाद की आपूर्ति चुनौती बनी और पुरानी टेक्नोलॉजी खत्म होती गई। तो ऐसे समय में तब की कांग्रेस सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। एक समय किसानों के क्या हालात थे। यूरिया के लिए किसानों को लाइनों में घंटों-घंटों तक लगना पड़ता था। यूरिया की दुकानों पर पुलिस लगानी पड़ती थी। पुलिस किसानों पर लाठी बरसाती थी। कांग्रेस ने जिन हालातों को बिगाड़ा था, हमारी सरकार उन्हें सुधारने के लिए ऐड़ी-चोटी की ताकत लगा रही है। और इन्होंने इतना बुरा किया, इतना बुरा किया कि 11 साल से मेहनत करने के बाद भी मुझे अभी बहुत कुछ करना बाकी है। खेती में बढ़ती तकलीफों का कांग्रेस ने हल ही नहीं निकाला। वह अपनी मस्ती में ही रही। आज हमारी सरकार उन परेशानियों को खत्म करने का काम कर रही है।

असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी...

पीएम मोदी परीक्षा पे चर्चा के बाद शहीद स्मारक पहुंचे। जहां 1985 में अवैध प्रवासियों के खिलाफ असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने आंदोलन के पहले शहीद खरगेश्वर तालुकदार की प्रतिमा पर माला चढ़ाई। छह साल तक चले आंदोलन के 860 शहीदों की याद में यहां एक दीया हमेशा जलता रहता है। 170 करोड़ रुपए की लागत से बने इस स्मारक में पानी के कुंड, ऑडिटोरियम, प्रेयर रूम, साइकिल ट्रैक और साउंड एंड लाइट शो जैसी सुविधाएं हैं, जो असम आंदोलन और राज्य के इतिहास के विभिन्न पहलुओं को उजागर करेगा।

हमारी सरकार लगा रही पूरा जोर : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी शैली में कांग्रेस को जमकर घेरा। पीएम मोदी ने कहा कि आज हमारी डबल इंजन की सरकार कांग्रेस द्वारा पैदा की गई समस्याओं का समाधान भी कर रही है। असम की तरह देश के दूसरे राज्यों में भी खाद की कितनी ही फैक्ट्रियां बंद हो गई थी। पहले यूरिया के लिए किसानों को लाइनों में लगना पड़ता था, पुलिस किसानों पर लाठी बरसाती थी। कांग्रेस ने जिन हालातों को बिगाड़ा था, हमारी सरकार उन्हें सुधारने के लिए एड़ी-चोटी की ताकत लगा रही है। आज असम और पूरे नॉर्थ-ईस्ट के लिए बहुत बड़ा दिन है। नामरूप और डिब्रूगढ़ को लंबे समय से जिसका इंतजार था, वो सपना भी आज पूरा हो रहा है। आज इस पूरे इलाके में औद्योगिक प्रगति का नया अध्याय शुरू हो रहा है। अभी थोड़ी देर पहले यहां अमोनिया-यूरिया फर्टिलाइजर प्लांट का भूमिपूजन किया है। डिब्रूगढ़ आने से पहले गुवाहाटी में एयरपोर्ट की एक टर्मिनल का उद्घाटन भी हुआ है। आज हर कोई कह रहा है- असम विकास की नई रफ्तार पकड़ चुका है।

विकसित भारत में असम की बड़ी भूमिका : मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी को और देश के सभी किसान भाई-बहनों को इस आधुनिक फर्टिलाइजर प्लांट के लिए बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं। बीजेपी की डबल इंजर सरकार में उद्योग और कनेक्टिविटी की ये जुगलबंदी असम के सपनों को पूरा कर रही है और साथ ही हमारे युवाओं को नए सपने देखने का हौसला भी दे रही है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में देश के किसानों की, यहां के अन्नदाताओं की बहुत बड़ी भूमिका है। इसलिए हमारी सरकार किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए दिन-रात काम कर रही है। असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड (एवीएफसीसीएल) की वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन होगी, और इसका संचालन 2030 में शुरू होने की उम्मीद है। इस वर्ष जुलाई में, डिब्रूगढ़ जिले के नामरूप में एवीएफसीसीएल को स्थापित किया गया था। मार्च में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजॉर कॉर्प लिमिटेड (बीवीएफसीएल) के मौजूदा परिसर में एक नया संयंत्र स्थापित करने को मंजूरी दी थी।

सीएम धामी ने किया ऐलान

उत्तराखंड के सभी स्कूलों में अब भगवद् गीता अनिवार्य

नई दिल्ली,21 दिसम्बर 2025। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि राज्य के सभी स्कूलों में अब भगवद् गीता के श्लोकों का पाठ अनिवार्य कर दिया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री धामी ने कहा...इस पहल का उद्देश्य छात्रों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और जीवन दर्शन से जोड़ना है, ताकि उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। हमारी सरकार ने राज्य के स्कूलों में गीता के श्लोकों का पाठ अनिवार्य किया है। गीता के उपदेश बच्चों में आत्मविश्वास,कर्तव्यबोध और सकारात्मक सोच विकसित करने में मदद करेंगे।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली,21 दिसम्बर 2025। भारत में बांग्लादेश उच्चायोग के सामने कथित प्रदर्शन को लेकर विदेश मंत्रालय ने स्थिति स्पष्ट की है। मंत्रालय ने बांग्लादेश के कुछ मीडिया संस्थानों पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि 20 दिसंबर को नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर कोई सुरक्षा संकट नहीं पैदा हुआ था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों के जवाब में बताया कि 20 दिसंबर 2025 को करीब 20-25 युवाओं का एक छोटा समूह बांग्लादेश हाई कमीशन के सामने एकत्र हुआ था। ये लोग बांग्लादेश के मयमनसिंह में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की नृशंस हत्या के विरोध में नारेबाजी कर रहे थे और साथ ही बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग उठा रहे थे। रणधीर जायसवाल ने कहा इस दौरान न तो किसी तरह की बैरिकेड तोड़ने की कोशिश हुई और न ही कोई सुरक्षा स्थिति बनी। मौके पर तैनात पुलिस ने कुछ ही मिनटों में समूह को शांतिपूर्वक हटा दिया। इन घटनाओं के दृश्य प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश के कुछ मीडिया में इस घटना को बढ़ा-चढ़ाकर और गलत तरीके से पेश किया गया है।

आगरा में भराभराकर गिरी दीवार 7 लोग मलबे में दबे,2 की मौत

गांव वालों ने फावड़े से मिट्टी हटाकर निकाला

फतेहाबाद,21 दिसम्बर 2025। आगरा में एक निर्माणाधीन मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। मलबे में अलाव ताप रहे 7 लोग दब गए। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। अफरा-तफरी के बीच आसपास के 50 से ज्यादा लोग भागकर आए और फावड़े से ईंट और मिट्टी हटाना शुरू किया। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। यहां दो गंभीर घायलों को आगरा रेफर कर दिया गया, जहां उनकी मौत हो गई। 5 का इलाज अब भी जारी है। घटना की सूचना मिलते ही बटेश्वर चौकी इंचार्ज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटना बटेश्वर थाना क्षेत्र के विजकौली गांव की है। विजकौली गांव में रहने वाले जोर सिंह प्रजापति के मकान में बेसमेंट का काम चल रहा था। बेसमेंट की दीवार हाल ही में बनाई गई थी। मकान मालिक ने पानी से तराई ज्यादा कर दी। बेसमेंट की दीवार के पास जमीन तक पानी भर गया। धूप न निकलने की वजह से दीवार सूख नहीं पाई और अचानक गिर गई। इस दौरान दीवार के दूसरी ओर कुछ लोग अलाव ताप रहे थे, जो मलबे के नीचे दब गए।

रेलवे ने किया ऐलान...महंगा होगा रेल का सफर,26 दिसंबर से बढ़ेगा किराया

नई दिल्ली,21 दिसम्बर 2025। भारतीय रेलवे ने रेल यात्रियों के लिए बड़ा एलान किया है। 26 दिसंबर 2025 से ट्रेनों के किराए में संशोधन लागू होने जा रहा है। इस फैसले का असर देशभर के करोड़ों यात्रियों पर पड़ेगा,हालांकि रेलवे ने छोटी दूरी की यात्रा करने वालों को राहत देते हुए 215 किलोमीटर तक के सफर पर किराया न बढ़ाने का फैसला किया है। दैनिक यात्रियों के हित में उपनगरीय ट्रेनों और मासिक सीजन टिकटों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

215 किलोमीटर तक यात्रा पर कोई बढ़ोतरी नहीं

रेलवे के अनुसार, साधारण श्रेणी में 215 किलोमीटर तक की यात्रा पर कोई अतिरिक्त किराया नहीं लिया जाएगा। इससे रोजाना सफर करने वाले यात्रियों और छोटी दूरी के यात्रियों की जेब पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। रेलवे का कहना है कि यह फैसला आम यात्रियों को ध्यान में रखकर लिया गया है।

लंबी दूरी पर कितना बढ़ेगा किराया : रेलवे ने स्पष्ट किया है कि 215 किलोमीटर से अधिक दूरी की यात्रा पर साधारण श्रेणी में 1 पैसा प्रति किलोमीटर, जबकि मेल/एक्सप्रेस और एसी श्रेणियों में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। उदाहरण के तौर पर करीब 1000 किलोमीटर की दूरी में जन साधारण एक्सप्रेस (नॉन-एसी) से यात्रा करने पर करीब 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे।

जबकि संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस,वंदे भारत और राजधानी जैसी प्रीमियम ट्रेनों में सफर करने पर यात्रियों को 20 रुपयेइस साल ये दूसरी बढ़ोतरी अधिक चुकाने होंगे।

भारतीय रेलवे की ओर से ट्रेन टिकट के दाम में ये इस साल की दूसरी बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले जुलाई महीने की पहली तारीख को रेल किराया बढ़ाया गया था। 1 जुलाई से भारतीय रेलवे की ओर से रेल किराये में की गई बढ़ोत्तरी भी इतनी ही थी। मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के किराये में 1 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी, जबकि एसी ट्रेन से यात्रा करने पर 2 पैसे प्रति किलोमीटर के हिसाब से इजाफा किया गया था।

इन ट्रेनों पर भी लागू होगा किराया

रेल मंत्रालय के मुताबिक, नया किराया संशोधन राजधानी,शताब्दी, दुरंतो,वंदे भारत,तेजस,हमसफर,अमृत भारत,महामना,गतिमान, अंत्योदय, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, एसी विस्टाडोम कोच, अनुभूति कोच और साधारण गैर-उपनगरीय सेवाओं जैसी प्रीमियर व विशेष ट्रेन सेवाओं पर भी लागू होगा।

रक्षा मंत्रालय में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल रिश्वत लेते गिरफ्तार,सीबीआई ने 2.36 करोड़ जब्त किए

नई दिल्ली,21 दिसम्बर 2025। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रक्षा मंत्रालय में पोस्टेड आर्मी अफसर को रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उत्पादन विभाग में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा पर बेंगलुरु की एक कंपनी से 3 लाख की रिश्वत लेने का आरोप है। सीबीआई ने शर्मा के घर से 2.36 करोड़ रुपए भी जब्त किए हैं। सीबीआईने शर्मा की पत्नी कर्नल काजल बाली के खिलाफ भी मामला दर्ज किया। तलाशी के दौरान काजल के घर से 10 लाख बरामद किए हैं। काजल, डिवीजन ऑर्डिनेंस यूनिट श्रीगंगानगर (राजस्थान) में कमांडिंग ऑफिसर हैं। इस मामले में बिचौलिया विनोद कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों 23 दिसंबर तक सीबीआईकी हिरासत में रहेंगे। यह मामला 19 दिसंबर को मिली सूचना के आधार पर दर्ज किया गया। सीबीआईके मुताबिक लेफ्टिनेंट कर्नल पर रक्षा उत्पादों के निर्माण और निर्यात से जुड़ी प्राइवेट कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप है। रक्षा मंत्रालय के सीनियर अधिकारियों के हवाले से कहा कि यह कार्रवाई भारत सरकार की 'भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत की गई है। सेना के अधिकारी की गिरफ्तारी से यह पता चलता है कि सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए हर संभव प्रयास करती है। सीबीआई को बेंगलुरु की एक कंपनी से संभावित रिश्वत भुगतान के बारे में जानकारी मिली थी। राजीव यादव और रवजीत सिंह नाम के शख्स उस कंपनी के मामलों को देख रहे थे।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव : एनडीए को 213 सीटें,भाजपा सबसे ज्यादा 118,शिंदे को 58 सीटें,उद्धव की पार्टी 9 सीटों पर सिमटी

मुंबई,21 दिसम्बर 2025। महाराष्ट्र निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को बंपर जीत हासिल हुई है। रविवार का जारी हुए 288 सीटों (246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों) के रिजल्ट में महायुति को 213 सीटों पर जीत मिली। गठबंधन में भाजपा 118 सीटों पर जीत के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 58 सीटें,एनसीपी अजित को 37 सीटें मिलीं। वहीं, विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी के हिस्से केवल 51 सीटें ही आईं। इसमें कांग्रेस 31, शिवसेना उद्धव को 9, शरद पवार की एनसीपी को केवल 10 सीटें ही मिलीं। 24 सीटें अन्य को मिली हैं, जिन्होंने स्थानिक अघाड़ी (लोकल अलायंस) बनाया था। दरअसल, महाराष्ट्र 288 नगर परिषदों और नगर पंचायत के लिए दो चरणों में चुनाव हुआ था। पहले चरण में 2 दिसंबर को 263 निकायों में मतदान हुआ था। बाकी 23 नगर परिषदों और कुछ खाली पदों पर 20 दिसंबर को वोटिंग हुई थी। धुले की डोंडाइचा नगर परिषद और सोलापुर की उंगर नगर पंचायत में अध्यक्ष और सदस्यों का चुनाव निर्विरोध हुआ था। जलगांव जिले की जामनेर नगर परिषद में भी अध्यक्ष पद के लिए मुकाबला नहीं हुआ था। तीनों पदों पर भाजपा ने निर्विरोध जीत हासिल की।

'वीबी-जी राम जी' विधेयक बना कानून...राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दी मंजूरी,ग्रामीण परिवारों को अब 125 दिनों का रोजगार

नई दिल्ली,21 दिसम्बर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी विधेयक, 2025' (वीबी-जी राम जी) को मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ यह विधेयक क़ानून बन गया। इससे पहले संसद के दोनों सदन इस विधेयक को पास कर चुके हैं। अब ग्रामीण रोजगार व्यवस्था में बड़ा बदलाव लागू हो गया है। नए कानून के तहत अब ग्रामीण परिवारों को प्रति वित्त वर्ष 125 दिन का वैधानिक मजदूरी रोजगार सुनिश्चित किया जाएगा, जो पहले 100 दिन था। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, यह अधिनियम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 का स्थान लेगा और इसे विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप तैयार किया गया है।

सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आय सुरक्षा को मजबूत करने के साथ टिकाऊ और उत्पादक परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, ताकि समावेशी और संतुलित विकास को बढ़ावा मिल सके। कानून के प्रावधानों के तहत इच्छुक ग्रामीण परिवारों को न्यूनतम 125 दिन का रोजगार देना सरकार की वैधानिक जिम्मेदारी होगी। मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक या अधिकतम 15 दिनों के भीतर करना अनिवार्य किया गया है। तय समयसीमा के भीतर भुगतान नहीं होने पर देरी का मुआवजा देने का भी प्रावधान रखा गया है। कृषि कार्यों के दौरान श्रमिकों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए राज्यों को एक वित्त वर्ष में कुल 60 दिन तक का समेकित विराम काल घोषित करने का अधिकार दिया गया है। हालांकि, इससे कुल 125 दिन के रोजगार के अधिकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा और शेष अवधि में पूरा रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इस कानून के तहत सभी कार्यों की योजना ग्राम सभा की मंजूरी से ग्राम पंचायतों द्वारा तैयार की जाएगी। योजना निर्माण की प्रक्रिया पूरी तरह नीचे से ऊपर की होगी, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न योजनाओं और विभागों के बीच समन्वय के लिए डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे संसाधनों की बर्बादी रुकेगी और विकास कार्यों में तेजी आएगी। रोजगार को जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत ढांचा, आजीविका से जुड़ी संरचनाओं और प्राकृतिक आपदाओं व जलवायु प्रभावों से निपटने वाले कार्यों से भी जोड़ा गया है।

जो भारतीय संस्कृति और मातृभूमि को मानता है,वह हिन्दू है : भागवत

कोलकाता,21 दिसम्बर 2025। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कोलकाता में अपने व्याख्यान के दौरान संघ की स्थापना, उद्देश्य और कार्यपद्धति को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि संघ को लेकर जो राय बनती है, वह अक्सर तीसरे स्रोत से फैलाए गए गलत नैरेटिव पर आधारित होती है। संघ का प्रयास है कि उसके बारे में लोगों की समझ वस्तुस्थिति के आधार पर बने, न कि अफवाहों और भ्रांतियों पर। उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं चला और न ही किसी प्रतिक्रिया में इसकी शुरुआत हुई। संघ की स्थापना इसलिए हुई ताकि विश्वभर में भारत की जय-जयकार हो और विश्वगुरु बनने वाले भारत का समाज उस स्तर पर खड़ा हो सके। डॉ. भागवत ने कहा कि संघ विशुद्ध रूप से हिन्दू समाज के संगठन के लिए शुरू हुआ। इसका अर्थ किसी अन्य के विरोध से नहीं है। उन्होंने श्री गुरुजी के कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि दुनिया में एक भी ईसाई या मुसलमान नहीं होता, तब भी हिन्दू समाज के संगठन की आवश्यकता रहती क्योंकि समाज भीतर से कटा-बंटा है। सरसंघचालक ने कहा कि सन् 1857 की क्रांति की असफलता के बाद यह सवाल खड़ा हुआ कि कुशल योद्धा और बुद्धिमान होने के बावजूद भारत पर मुट्ठी भर अंग्रेज कैसे शासन कर सके। उस समय यह भी स्पष्ट हुआ कि केवल स्वतंत्रता नहीं बल्कि समाज सुधार अधिक आवश्यक है। रूढ़ियों और कुरीतियों के साथ-साथ आत्मविस्मृति भी हमारी कमजोरी बनी। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज को अपनी पहचान याद दिलाने का काम प्रमुख रूप से स्वामी विवेकानंद और महर्षि दयानंद ने किया। इसी कालखंड में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का व्यक्तित्व उभरा, जो जन्मजात देशभक्त थे। डॉ. भागवत ने बताया कि डॉ. हेडगेवार के माता-पिता का निधन उनके 11 वर्ष की आयु में प्लेग रोगियों की सेवा करते हुए हो गया था। इसके बाद उन्होंने अत्यंत निर्धनता में जीवन बिताया लेकिन मेधावी रहे और पढ़ाई में हमेशा आगे रहे। माता काली के समक्ष ली गई प्रतिज्ञा के अनुसार वे आजीवन भारत माता की सेवा में लगे रहे। दस वर्षों के गहन चिंतन के बाद साल 1925 में विजयादशमी के दिन डॉ. हेडगेवार ने संघ की स्थापना की।

व्यक्ति निर्माण से समाज परिवर्तन

सरसंघचालक ने कहा कि व्यक्ति निर्माण के माध्यम से देशव्यापी कार्यकर्ताओं का संगठन खड़ा कर समाज जीवन में परिवर्तन लाना संघ की कार्यपद्धति है। संघ की शाखा का अर्थ है दिन का एक घंटा सबकुछ भूलकर देश और समाज के लिए चिंतन करना। डॉ. भागवत ने कहा कि हिन्दू किसी एक पूजा पद्धति, खानपान या वेशभूषा का नाम नहीं है। हिन्दू कोई धर्म या मजहब नहीं, बल्कि एक स्वभाव है। जो इस भूमि की संस्कृति और मातृभूमि को मानता है, वह हिन्दू है। विविधता में एकता खोजने का विचार सनातन है और यही हिन्दू स्वभाव की पहचान है। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ सबके कल्याण की कामना करता है। संघ का काम समाज को जोड़ना है, न कि समाज के भीतर कोई अलग प्रभावी संगठन खड़ा करना। सरसंघचालक ने कहा कि संघ से तैयार स्वयंसेवक समाज के हर क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। जहां भी निःस्वार्थ भाव से अच्छे काम होते हैं, संघ वहां सहयोग करता है और समाज के साथ मिलकर कार्य करता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)